संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-161 ■ रायपुर, रविवार 08 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्दशी
नक्षत्रः स्वाति
प्रथम करण : सकुना
द्वितीय करण : चतुष्पदा
पक्ष : कृष्ण
वार : रविवार
योग : आयुष्मान
सूर्योदय : 06:42
सूर्यास्त : 17:27
चंद्रमा : तुला राशि में
राहुकाल : 16:06 - 17:27
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948 पराभव
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:26

अवकाश सूचना



दीपावली के अवसर पर **08 और 09 नवंबर 2026** को दैनिक दैनंदिनी कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक **11 नवंबर** को प्रकाशित होगा।

-प्रधान संपादक

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ



रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रकाश और उल्लास के महापर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, प्रेम और सद्भाव का उत्सव है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा आपसी भाईचारे और एकता के साथ जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कामना की कि दीपावली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ के हर घर में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए तथा हमारा प्रदेश विकास, खुशहाली और उन्नति के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं



रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज लोकभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

दीवाली पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

'देश के वीर जवानों के साथ ही मनाऊंगा त्योहार'

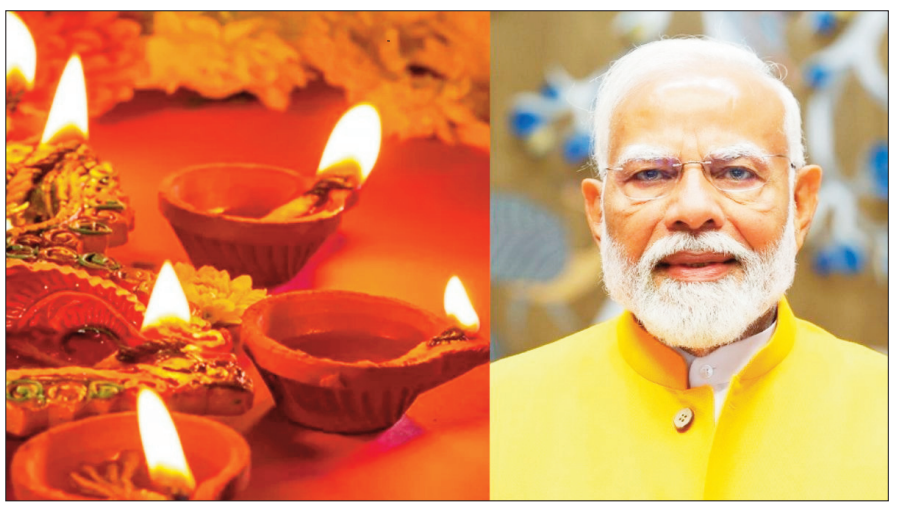
नई दिल्ली ■ एजेंसी

दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे। बता दें कि पांच दिनों तक चलने वाले इस दीपोत्सव पर्व की शुरुआत 6 नवंबर धनतेरस से हो चुकी है, जिसके बाद 7 नवंबर को छोटी दिवाली मनाई जा रही है।

दीवाली पर जवानों के साथ रहने की परंपरा रहेगी कायम

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को



दर्शाता है।

पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं, देश के वीर जवानों के साथ दीवाली मनाने की मेरी एक पुरानी परंपरा रही है और इस साल भी मैं इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

उपराष्ट्रपति से मुलाकात और धनतेरस की शुभकामनाएं

दीवाली के इस खास अवसर पर पीएम मोदी ने देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को दीवाली की बधाई दी।

इसकी जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा की।

इससे पहले, पांच दिनों तक चलने वाले इस दीवाली उत्सव की शुरुआत धनतेरस के साथ हुई थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने भगवान धनवंतरी को नमन करते हुए सभी नागरिकों के जीवन में अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की थी।

अयोध्या में भव्य दीपोत्सव, सरयू नदी के 56 घाट 30 लाख दीयों से रोशन; सीएम योगी ने की आरती

अयोध्या ■ एजेंसी



अयोध्या के 10वें दीपोत्सव पर 'राम की पैड़ी' घाट लाखों मिट्टी के दीपों से जगमगा उठा। सरयू नदी के किनारे स्थित 56 घाटों को 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीपों से रोशन किया जा रहा है। सरयू घाट पर दीये जलने शुरू हो चुके हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम और जानकी की पूजा-अर्चना की और आरती उतारी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिवाली समारोह और 10वें दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव 2026 को संबोधित करते हुए कहा, "पहले दीपोत्सव को याद कीजिए। जिसे हमने 2017 में प्रारंभ किया था। उस समय लोगों के मन में ये आश्चर्य होता था कि क्या अयोध्या में दीपोत्सव होगा? वो कहते थे कि दीपोत्सव यहां की परंपरा का हिस्सा नहीं था। मैंने याद दिलाया कि अयोध्या ने ही दुनिया को दीपावली दी थी, दीपोत्सव भी अयोध्या ने दिया है और यहीं से इसे आगे बढ़ाना है... आज आप देख सकते हैं कि लोकतंत्र में आपके वोट की कीमत क्या होती है। किसी शहर, किसी प्रदेश और किसी देश की तस्वीर कैसे बदलती है, ये लोकतंत्र ने कर दिखाया है।

पिछले 12 वर्षों में बदलता हुआ भारत, जिसे लोगों ने अविश्वास, अराजकता, आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया था।

पिछले 12 वर्षों में 140 करोड़ देशवासियों ने देश की इस बदलती तस्वीर को देखा है। ये नया भारत विरासत को बिना भेद-भाव के एक-एक नागरिक तक शासन की योजना को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य कर रहा है। ये नया भारत जो आतंकवाद को भी नेस्तनाबूत करता है, नक्सलवाद को भी दफन करता है और आज अराजकता के खिलाफ भी अपनी लड़ाई को बखूबी बढ़ाने का काम कर रहा है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत, विकास,लोक कल्याणकारी योजना के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को हर भारतवासी आगे बढ़ाना चाहता है लेकिन दूसरी ओर कोप भवन में बैठे हुए मंथरा और मारीच इस पूरी व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए किसी प्रकार से अराजकता को पैदा करके भारत को अस्त-व्यस्त करने की साजिशें भी रच रहे हैं। ये दीपोत्सव रामभक्तों के लिए एक संदेश है कि चुनौती कितनी भी कठिन क्यों न हो, उफनता सागर हो या फिर जंगल जैसी कठिन चुनौतियां, जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो, जनता-जनार्दन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एक संकल्प छिपा हुआ हो, दुनिया की कोई ताकत धर्मेव जयते और सत्यमेव जयते के लक्ष्य को प्राप्त करने में देर नहीं लगा सकती।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कि पिछले 12 वर्षों में बदलता हुआ भारत, जिसे लोगों ने अविश्वास, अराजकता, आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया था। पिछले 12 वर्षों में 140 करोड़ देशवासियों ने देश की इस बदलती तस्वीर को देखा है।

नितिन नबीन पर टिप्पणी का मंत्री रामविचार नेताम ने दिया कड़ा जवाब

'कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए'

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कांग्रेस के भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के पैसे वसूलने छत्तीसगढ़ आने वाले बयान पर मंत्री राम विचार नेताम ने कड़ा जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है. कांग्रेस को ऐसे आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए. कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं. भ्रष्टाचार के आरोपों में डूबी कांग्रेस को इस तरह की बातें करने से बचना चाहिए. समय आने पर जनता उन्हें जवाब देगी.

मंत्री रामविचार नेताम ने शनिवार को मीडिया से जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से लेकर प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर चर्चा की. उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है. इस अवसर पर 11 से 18 नवंबर तक सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ आएंगे. भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी रायगढ़ पहुंचेंगे. इसमें छात्र-छात्राओं, जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों और कलाकृतियों को लेकर अलग-अलग आयोजन पर विचार किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सरकार के हर अच्छे काम में खामी नजर आती है. धान खरीदी के लिए 360 नए उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो. सरकार किसानों को सुविधाएं देने और उनके हित में लगातार काम कर रही है.

वहीं दिल्ली नहीं जाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी होने पर रामविचार नेताम ने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है. कार्रवाई करते-करते एक दिन खाली हो जाएगी कांग्रेस. उनकी पार्टी में अब अनुशासन नहीं रह गया है, उनकी पार्टी में इसी तरह की स्थिति लगातार बनी रहती है.

दीपावली मिलन समारोह: राहुल गांधी के निवास पर जुटे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता



रायपुर ■ दैनन्दिनी

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नई दिल्ली स्थित 5, सुनहरी बाग रोड निवास पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए.

समारोह के दौरान मौजूद यूपीए की चेयरपर्सन व सांसद सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, छत्तीसगढ़ प्रभारी व सांसद सुखदेव भगत सहित देशभर से आए वरिष्ठ नेताओं से छत्तीसगढ़ के नेताओं ने आत्मीय मुलाकात कर देश की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर सार्थक चर्चा की.

समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत समेत प्रदेश के अनेक दिग्गज कांग्रेस नेता मौजूद रहे.

इस अवसर की तस्वीरें डॉ. चरण दास महंत ने सोशल मीडिया में साझा करते हुए कहा कि दीपावली हमें संदेश देती है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, आशा और विश्वास का एक दीपक उसे मिटाने की शक्ति रखता है.

हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने शव रखकर किया चक्काजाम

आरंग (एजेंसी)। आज सुबह आरंग-भिलाई मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और मुआवजे के साथ सुरक्षा की मांग को लेकर उन्होंने नयापारा रोड पर चक्काजाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 6 बजे के आसपास हुआ है। मृतक की पहचान मनोज धीवर (35 वर्ष) के रूप में हुई है। मनोज सुबह के समय नहाने के लिए जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।



हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सुबह से ही चम्पारण रोड पर जाम लगा दिया, जिसके चलते मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीण मृतक के परिवार के लिए उचित मुआवजे और मार्ग पर भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण के साथ सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही आरंग तहसीलदार और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। प्रशासन की टीम आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने और उन्हें उचित समझाइश देने का प्रयास कर रही है।

स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया है।

हाथियों ने की किसानों की फसल चौपट

सबसे बड़े दल की मौजूदगी से वन विभाग अलर्ट

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (एजेंसी)। मरवाही वनमंडल क्षेत्र में 62 हाथियों के सबसे बड़े दल की मौजूदगी से ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है. हाथियों का झुंड इन दिनों अलग-अलग इलाकों में लगातार विचरण कर रहा है. इस बीच सोशल मीडिया पर ड्रोन से लिए गए एरियल व्यू का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पूरा दल बांध के पानी में उतरकर मस्ती और अठखेलियां करता साफ तौर पर देखा जा सकता है. पानी में नहाने के बाद हाथियों का यह दल पास के खेतों में पहुंच गया और धान की खड़ी फसल को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया.



जानकारी के मुताबिक, मरवाही वनमण्डल के धवाई टिकरा में हाथियों का दल विचरण कर रहा है. इतनी बड़ी संख्या में हाथियों की आवाजाही से आसपास के गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग का अमला और हाथी मित्र दल पूरी तरह अलर्ट पर है. वनकर्मियों की टीम लगातार हाथियों की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है.

विभाग की ग्रामीणों से अपील

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के दल से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें. जंगल की ओर न जाएं और अकेले निकलने से बचें. हाथियों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें. हाथियों की आवाजाही की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके.

तमिलनाडु में कॉलेज छात्रों को मिलेगा फ्री लैपटॉप, सीएम विजय ने जारी किए 2,000 करोड़ रुपये

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने कॉलेज और पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए वेत्री लैपटॉप योजना को लागू करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। 2026-27 के बजट में घोषित इस पहल के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसकी निगरानी मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली समिति करेगी। इसके तहत स्नातक, डिप्लोमा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को तकनीकी पढ़ाई के लिए लैपटॉप दिए जाए(फाइल फोटो के साथ) तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कॉलेज छात्रों के लिए 'वेत्री लैपटॉप योजना' लागू करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने शनिवार को बताया कि इस योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कॉलेज के छात्रों के लिए 2026-27 के बजट में घोषित 'मुफ्त लैपटॉप योजना' को प्रभावी ढंग से लागू करने और इसकी निगरानी के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा।

दिलजीत दोसांझ के इंदौर कॉन्सर्ट से पहले हंगामा, चार गानों पर रोक की मांग, महिला एवं बाल विकास विभाग ने भेजा नोटिस

मुंबई (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने लाइव कॉन्सर्ट के साथ लौट आए हैं। 'ऑरा इंडिया टूर 2026' के साथ उन्होंने फैंस के बीच वापसी की। अपने इस टूर के तहत उन्होंने 30 अक्टूबर को दिल्ली में परफॉर्म किया, जिसे लेकर शुरुआत में असमंजस के बादल मंडरा रहे थे और अब दिलजीत के इंदौर कॉन्सर्ट को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। दिलजीत अपने 'ऑरा इंडिया टूर 2026' के तहत 15 नवंबर को C-21 मॉल में परफॉर्म करने वाले हैं, इससे पहले आयोजकों को महिला एवं बाल विकास विभाग ने पत्र जारी करते हुए ऐसे चार गानों को न गाने के निर्देश दिए हैं, जो गन कल्चर और नशे को बढ़ावा देते हैं।



महिला एवं बाल विकास विभाग ने आयोजकों को जारी किया पत्र

जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने C-21 मॉल मैनेजर को पत्र लिखकर कॉन्सर्ट में चार गाने नहीं गाने के निर्देश दिए हैं। इन गानों में 'पटियाला पेग', '5 तारा ठीके', 'जीभ विचों लब्बिया' और 'जट्ट उठे फिर करदा' शामिल हैं। यानी दिलजीत के फैंस उनके इंदौर कॉन्सर्ट में उनके ये हिट नंबर्स नहीं सुन पाएंगे। नोटिस में दिलजीत से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 2019 के आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के मुताबिक शराब और नशे को बढ़ावा देने वाले गानों का बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ सकता है।

चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडितराव धारेनावर की शिकायत के बाद हुई कार्रवाई

ये कार्रवाई चंडीगढ़ के डॉ. पंडितराव धारेनावर की शिकायत के बाद की गई है। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में 5 साल से अधिक उम्र के बच्चों को भी प्रवेश की अनुमति दी गई है ऐसे में बच्चों को स्टेज पर नहीं बुलाने और बुलेट बेल्ट नहीं पहनने की भी मांग इस नोटिस में की गई है। यानी दिलजीत के इंदौर कॉन्सर्ट पर रोक नहीं है, बल्कि इस नोटिस में उन चार गानों को न गाने की मांग की गई है, जो नशे और गन कल्चर को बढ़ावा देते हैं। नोटिस की एक प्रति इंदौर डीएम और पुलिस कमिश्नर को भी भेजी गई है, जिससे कि ये सुनिश्चित किया जा सके कि लाइव कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ये गाने न गाएं।

दिलजीत के दिल्ली कॉन्सर्ट को खराब करने की थी साजिश

दिलजीत दोसांझ ने अपने ऑरा इंडिया टूर 2026 के तहत 30 अक्टूबर को दिल्ली में परफॉर्म किया था। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से दिलजीत ने अपने कॉन्सर्ट का आगाज किया, जिस पर पहले खतरे के बादल मंडरा रहे थे। पिछले दिनों दिलजीत के दिल्ली कॉन्सर्ट को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जहांगीरपुरी और शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तान समर्थक ग्रैफिटी लिखने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का संपर्क प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस से जुड़े लोगों से था।

अमिताभ बच्चन भूल रहे चश्मा-मोबाइल, लेकिन कक्षा 8 की यादें अब भी हैं ताजा, बोले- 'बस चीजें ढूंढ़ता रहता हूं!'



मुंबई (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन कितने ही व्यस्त क्यों न हों, सोशल मीडिया के लिए समय निकाल ही लेते हैं। कभी इंस्टाग्राम, कभी एक्स तो कभी व्लॉग के जरिए फैंस से अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी से जुड़ी यादें साझा करते रहते हैं। अपने क्विज बेस्ड रियेलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में भी वह अक्सर पुराने दिनों के बारे में बात करते नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने शो में बताया था कि कैसे एक बार उन्हें कॉलेज कैंपस में लड़कियों ने छेड़ा था और इस घटना से उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं रोजाना किन परिस्थितियों से होकर गुजरती हैं। अब बिग बी फिर अपने एक पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने व्लॉग में याददाश्त से जुड़ी दुविधा के बारे में बताया है। अपने हालिया व्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि वह कई बार अपना मोबाइल और चश्मा रखकर भूल जाते हैं, लेकिन बचपन से जुड़ी यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं।

चीजें रखकर भूल जाते हैं अमिताभ बच्चन

मेगास्टार ने दिनचर्या में वापसी और रोजमर्रा की जिंदगी की अनिश्चितताओं पर एक बात करते हुए बताया कि कैसे वे कभी-कभी अपना चश्मा, मोबाइल फोन या अन्य चीजें रखकर भूल जाते हैं। कई बार तो वो ये भी भूल जाते हैं कि उन्हें अगला काम क्या करना है, लेकिन दूसरी तरफ स्कूल के दिनों की यादें अब भी उन्हें अच्छे से याद हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने व्लॉग में लिखा, 'दिनचर्या में धीरे-धीरे वापसी की कोशिश, काम और अन्य चीजों से भरी एक ऐसी जिंदगी जो नियंत्रित है। जब आप अपने रूटीन में होते हैं, तब आपको सब याद रहता है। लेकिन, जब आप रूटीन में नहीं होते रूटीन का भी अलग मिजाज बन जाता है। ऐसा मिजाज, जिसे समझना मुश्किल होता है और ये कभी एक जैसा नहीं रहता।'

आज भी ताजा हैं 66 साल पुरानी यादें

अमिताभ बच्चन अपने पोस्ट में आगे लिखते हैं- 'अरे! मैंने चश्मा कहां रख दिया? मोबाइल कहां रख दिया और सबसे अहम बात... मुझे अगला काम क्या करना था? कुछ घंटे पहले किए काम जैसे कहीं खो जाते हैं। चश्मा-मोबाइल रखकर याद नहीं रहता, लेकिन 1960 में स्कूल की 8वीं कक्षा की बातें अब भी साफ-साफ याद हैं... 66 साल पुरानी बातें जैसे हथेली पर रखी हों... और अब तो बस चीजें ही ढूंढ़ता रहता हूं! हालांकि, व्लॉग पर लोगों से जुड़ने के लिए कभी कुछ नहीं ढूंढना पड़ता। ये तो हर दिन की प्रयोरिटी है। हर रविवार शुभकामनाएं देने वालों और केबीसी के दर्शकों को भी नहीं ढूंढना पड़ता, जो अपना प्यार और दिल को छू लेने वाली मौजूदगी देते हैं। आप सबके लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं।'

कौन हैं 'रामायण' की मंदोदरी? रावण की पत्नी बन छाईं 'सिंघम' फेम हसीना, खूबसूरती पर फिदा हुए फैंस

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी जैसे बड़े सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में लंबे समय से उत्सुकता थी।

रिलीज के पहले दिन फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 64.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन करके शानदार शुरुआत की। फिल्म के भव्य सेट, विजुअल्स और कलाकारों के अभिनय के साथ कई छोटे-बड़े किरदार भी चर्चा में हैं। इन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जो फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी की भूमिका निभा रही हैं। भले ही फिल्म के पहले भाग में उनका स्क्रीन टाइम काफी कम है, लेकिन उनकी खूबसूरती और शाही अंदाज ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। एक छोटी सी झलक और संवाद के बावजूद सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा हो रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कौन हैं काजल अग्रवाल, जिन्होंने मंदोदरी बनकर दर्शकों को प्रभावित किया है।

'रामायण' में यश लंकापति रावण के किरदार में हैं और काजल अग्रवाल उनकी पत्नी मंदोदरी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के पहले हिस्से में कहानी का बड़ा भाग लंका पहुंचने से पहले की घटनाओं पर आधारित है। यही वजह है कि मंदोदरी का किरदार अभी ज्यादा विस्तार से नहीं दिखाया गया है। काजल भी पहले एक इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि फिल्म के पहले भाग में उनकी भूमिका सीमित है, क्योंकि कहानी में लंका का हिस्सा कम है। हालांकि पर्दे पर उनकी मौजूदगी ने दर्शकों को प्रभावित किया है।

मंदोदरी के शाही लुक और पारंपरिक वेशभूषा में काजल बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। फिल्म में उनका संवाद भी छोटा है, लेकिन इसी झलक को लेकर फैंस सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ दर्शकों को उनका लुक इतना पसंद आया कि वे उन्हें फिल्म के खूबसूरत किरदारों में से एक बता रहे हैं। खास बात यह है कि रावण की बहन शूर्पणखा के प्रसंग में भी मंदोदरी की मौजूदगी कहानी से जुड़ती है।

'हनुमान अंश' अब ओटीटी पर छाने को तैयार राइट्स विवाद के बीच मेकर्स ने किया ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। नीम करोली बाबा के जीवन पर बनी 'हनुमान अंश' इस साल के सबसे बड़े सरप्राइज में से एक रही। मात्र 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 342 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके सबको चौंका दिया। शुरुआती हफ्तों में कछुए की चाल चल रही इस फिल्म ने तीसरे हफ्ते में आकर रफ्तार पकड़ी और 'टॉक्सिक' और 'द वन' जैसी चर्चित फिल्मों को जबरदस्त टक्कर दी। ये फिल्म बिना किसी प्रमोशन के महज 355 शोज के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई और पहले दिन मात्र 10 लाख का कलेक्शन किया था। जब फिल्म सिनेमाघरों से हटने वाली थी, तभी एक चमत्कार हुआ और इस



फिल्म ने रफ्तार पकड़ ली। देखते ही देखते इस फिल्म ने कई बड़े रिकॉर्ड धराशायी कर दिए। सिनेमाघरों में फिल्म की जबरदस्त सफलता देखने के बाद दर्शक इसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे, जो अब जाकर खत्म हो गया है।

महज 2 करोड़ के बजट में और 342.75 करोड़ की नेट कमाई कमाई करने वाली इस फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी हैं, जिन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान किया है। जी हां, सिनेमाघरों में तूफानी कमाई करने के बाद 'हनुमान अंश' अब ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। विशाल चतुर्वेदी और सोनी लिव इंडिया ने एक जॉइंट पोस्ट के जरिए इसका ऐलान किया है, जिसके अनुसार 27 नवंबर से ये फिल्म 'सोनी लिव' पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।

सेहत

दिल को नुकसान पहुंचाने वाली आदतें दिमाग को भी करती हैं प्रभावित

लोग अपने हार्ट को हेल्दी रखने के लिए अक्सर सुबह टहलते हैं, कम तेल वाला खाना खाते हैं, ब्लड प्रेशर चेक कराते हैं साथ ही शुगर कंट्रोल रखकर समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराते हैं। लेकिन अगर यही सवाल दिमाग की सेहत को लेकर पूछा जाए, तो ज़्यादातर लोग कुछ पल सोचने लगते हैं। शायद इसलिए क्योंकि हम दिमाग के बारे में तब सोचते हैं, जब कोई बड़ी समस्या सामने आ जाती है स्ट्रोक हो जाए, हाथ कांपने लगें, याददाश्त कमजोर होने लगे या बोलने में दिक्कत आने लगे। जबकि सच यह है कि दिमाग भी दिल की तरह रोज़ हमारी देखभाल चाहता है।

नोएडा स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल, में पार्किंसंस डिजीज एवं मूवमेंट डिसऑर्डर्स, सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल लीड, डॉक्टर नेहा पंडिता, कहती हैं कि मैं ऐसे मरीजों से मिलती हूँ, जो कहते हैं, "डॉक्टर, पिछले कुछ महीनों से चीज़ें भूलने लगा हूँ, लेकिन लगा कि उम्र का असर होगा।" कोई बताता है कि चलते समय संतुलन पहले जैसा नहीं रहा, तो कोई हाथों में हल्का कंपन महसूस होने की बात करता है। ज़्यादातर लोग इन शुरुआती बदलावों को गंभीरता से नहीं लेते।

दिमाग हमें अचानक नहीं चौंकाता, वह पहले छोटे-छोटे संकेत देता है। ज़रूरत सिर्फ उन्हें पहचानने की होती है दिल



और दिमाग का रिश्ता भी बेहद गहरा है। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लंबे समय तक बढ़ा रहता है, शुगर नियंत्रित नहीं रहती, कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है या धूम्रपान की आदत होती है, उनमें सिर्फ हार्ट अटैक का ही नहीं, बल्कि स्ट्रोक और याददाश्त से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। यानी जो आदतें दिल को नुकसान पहुंचाती हैं, वही धीरे-धीरे दिमाग को भी प्रभावित करती हैं।

सुबह उठते ही मोबाइल देखना, घंटों स्क्रीन के सामने बैठना, पर्याप्त नींद न लेना, लगातार तनाव में रहना और शारीरिक गतिविधि का कम होनाये - सब धीरे-धीरे दिमाग पर असर डालते हैं। कई युवा मरीज कहते हैं, "डॉक्टर, कुछ भी याद नहीं रहता। ध्यान नहीं लगता।" जांच करने पर हमेशा कोई बड़ी बीमारी नहीं मिलती, लेकिन उनकी दिनचर्या बताती है कि दिमाग को आराम मिलने का मौका ही नहीं मिल रहा।

डॉक्टर कहती हैं कि अक्सर लोग पूछते हैं कि दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए कौन-सी दवा लें। दिमाग की सबसे अच्छी दवा कई बार दवा नहीं, बल्कि अच्छी जीवनशैली होती है। रोज़ थोड़ा चलना, पर्याप्त नींद लेना, नई चीज़ें सीखना, किताबें पढ़ना, दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना, संगीत सुनना और तनाव को संभालना - ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारा मस्तिष्क जितना उपयोग में आता है, उतना ही बेहतर काम करता है।

हालांकि डॉक्टर यह भी कहती हैं कि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हर भूलना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है। **(एजेंसी)**

खाने के बाद टहलना पेट के लिए माना गया है सबसे अच्छा, गैस, पेट फूलने और आंतों के लिए है फायदेमंद

रोजाना वॉक करने से शरीर स्वस्थ रहता है, वजन कम होता है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं। लेकिन खाना खाने के बाद की गई वॉक पेट और आंतों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। गट हेल्थ में सुधार के लिए कुछ लोग महंगे सप्लीमेंट्स, डिटॉक्स ड्रिंक्स और कॉम्प्लेक्स लाइफस्टाइल को अपनाते हैं, जिसे लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने एक ऐसी आदत के बारे में बताया है जो आपकी गट हेल्थ में तेजी से सुधार लाती है। ये आदत है रात में खाना खाने के बाद कुछ देर टहलना।

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो हर दिन शाम के भोजन के बाद टहलना जरूरी मानते हैं। आपकी ये छोटी सी आदत पाचन, ब्लड शुगर के स्तर और पूरे स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

डॉक्टर सेठी के अनुसार, रात के खाने के बाद टहलने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन क्रिया तेज होती है। आसान भाषा में कहें तो, टहलने से पाचन तंत्र की मांसपेशियां उत्तेजित होती हैं, जिससे खाना पेट और आंतों से अधिक कुशलता से गुजरता है। नतीजा लोगों को कम सूजन, कम एसिड रिफ्लक्स और कम कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गैस और भारीपन में आराम

कई लोगों को भारी भोजन करने के बाद असहजता महसूस होती है, लेकिन हल्की-फुल्की वॉक भी पाचन तंत्र को अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि आंतों की गतिशीलता का यह प्राकृतिक उत्तेजना ही एक कारण है कि खाने के बाद की सैर पाचन क्रिया में इतना आराम दे सकती है। आपकी ये एक आसान सी आदत शुगर स्पाइक को कम करती है। रात के खाने के बाद टहलने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता है। खाने के बाद केवल 10 मिनट की वॉक भी रक्त शर्करा के स्तर में होने वाली उस अचानक बढ़ोत्तरी को काफी हद तक कम कर सकती है जो आमतौर पर खाने के बाद होती है। **(एजेंसी)**

रोज करें छाछ का सेवन, कम होगा न्यूट्रिशन की कमी का खतरा

दही में थोड़ा पानी मिलाएं, हल्का सा मथें और देसी ड्रिंक छाछ तैयार हो गई। छाछ सिर्फ स्वाद नहीं देती बल्कि ये सेहत के लिए एक जबरदस्त टॉनिक है। छाछ में पुदीना मिलाने से पेट को ठंडक, परफेक्ट पाचन और गर्मी में ब्लोटिंग कम होती है। वहीं, छाछ में धनिया की चटनी डालने से इसका टेस्ट भी बढ़ेगा और भूख भी खुलेगी। अगर आप छाछ में भुना जीरा और काला नमक डालते हैं, तो गैस, सुस्ती और पेट में गड़बड़ी से राहत मिल सकती है।

क्या कहता है आयुर्वेद

गुड़ के साथ भी छाछ का सेवन किया जा सकता है। आयुर्वेद में इस तरह से छाछ का सेवन करना पाचन और ताकत, दोनों के लिहाज से अच्छा माना जाता है।

हालांकि, आपको क्वॉन्टिटी बैलेंस का ध्यान रखना चाहिए। जैसे-जैसे गर्मी दस्तक देती है, छाछ सिर्फ ठंडक देने वाली ड्रिंक नहीं रह जाती, बल्कि शरीर की ऐसी जरूरत बन जाती है, जो पानी की कमी, पाचन की गड़बड़ी, दोनों पर एक साथ काम करती है।

दूर होगी न्यूट्रिशन की कमी

देश में बहुत से लोगों की बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी रह जाती है। विटामिन बी-12 और विटामिन डी की कमी को शुरुआत में लोग मामूली कमजोरी समझकर टाल देते हैं। लेकिन धीरे-धीरे ये थकान, चक्कर, सुस्ती, ध्यान कम लगना, मूड खराब रहना, भूलने की आदत और नसों की कमजोरी की वजह बन जाती है। छाछ-दही न्यूट्रिशन की कमी को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है।

गौर करने वाली बात

अगर आप वेजिटेरियन हैं, तो दही-छाछ आपके लिए काफी ज्यादा जरूरी हो जाती है। छाछ कोई जादुई इलाज नहीं है, लेकिन इसे रोजमर्रा डाइट में शामिल करना समझदारी है। पोषण के लिए हर रोज छाछ का सेवन करना शुरू कर दीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए लिमिट में रहकर ही छाछ का सेवन करना चाहिए वरना आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। **(एजेंसी)**

रात को सोने से कितनी देर पहले पीना चाहिए ग्रीन टी? मिल सकते हैं ये कमाल के फायदे

ग्रीन टी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और फाइटोकेमिकल्स जैसे गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन ज्यादातर लोग सुबह या शाम के वक्त ही करते हैं। वहीं कुछ लोग रात को सोने से पहले भी ग्रीन टी पीते हैं। ग्रीन टी वजन से लेकर पेट, इम्यून सिस्टम और हार्ट को हेल्दी बनाए रखने में मददगार है। लेकिन कई लोग ये जानना चाहते हैं कि रात को सोने से कितनी देर पहले ग्रीन टी पीना चाहिए। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रात को सोने से कितनी देर पहले ग्रीन टी पीना चाहिए और इससे शरीर को क्या क्या फायदे मिलते हैं।

रात को सोने से कितनी देर पहले पिएं ग्रीन टी?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आपको सोने से कम से कम 2 से 3 घंटे पहले ग्रीन टी पीना चाहिए।

सोने से ठीक पहले क्यों नहीं पीना चाहिए?

ग्रीन टी स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी है, लेकिन इसमें दो मुख्य तत्व होते हैं जो आपकी नींद को प्रभावित कर



सकते हैं।

कैफीन

इसमें कॉफी के मुकाबले कम कैफीन होता है, लेकिन यह आपके मस्तिष्क को 'अलर्ट' मोड पर रख सकता है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है।

एल-थीनाइन

यह आपको रिलैक्स तो करता है, लेकिन साथ ही फोकस भी बढ़ाता है, जो गहरी नींद में बाधा बन सकता है।

ड्यूरेटिक इफेक्ट

ग्रीन टी प्राकृतिक रूप से मूत्रवर्धक होती है। इसे देर रात पीने से आपको बार-बार बाथरूम जाने के लिए उठना पड़ सकता है।

रात को ग्रीन टी पीने के फायदे

1. मेटाबॉलिज्म में सुधार

रात को सोने से पहले ग्रीन टी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है। जब आप सो रहे होते हैं, तब भी यह शरीर में फैट बर्न करने की प्रक्रिया को सक्रिय रखने में मदद कर सकती है, जो वजन घटाने में सहायक है।

2. बेहतर नींद

ग्रीन टी में L-theanine नाम का एक अमीनो एसिड होता है। यह मस्तिष्क को शांत करने, तनाव कम करने और रिलैक्स करने में मदद करता है।

3. शरीर का डिटॉक्सिफिकेशन

दिन भर के खान-पान से शरीर में जो टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं, उन्हें साफ करने में ग्रीन टी मदद करती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स रात के समय शरीर की मरम्मत प्रक्रिया को तेज करते हैं।

4. कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य

अध्ययनों के अनुसार, ग्रीन टी पीने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। रात में इसे पीना आपके ब्लड सर्कुलेशन के लिए अच्छा हो सकता है। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

रविवार 08 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

जुए के फड़ पर पुलिस का छापा

बागबाहरा। लक्ष्मी मेडिकल के पीछे चल रहे जुए के फड़ पर बागबाहरा पुलिस ने दबिश देकर जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को पकड़ा, जबकि चार आरोपी फरार हो गए। कार्रवाई 5 नवंबर की रात करीब 1.40 बजे की गई। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में मनोज वारिक पिता बेनाजी वारिक (34), निवासी अचानकपारा बागबाहरा और दादू मरकाम (24) शामिल हैं। वहीं तुलस देवांगन, प्रवीण सोनी, राबिन दुबे सहित कुल चार आरोपियों के फरार होने का उल्लेख है। पुलिस ने मौके से 4700 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त मोबाइल की कीमत करीब 20 हजार रुपए बताई गई है। मामले में जुआ एक्ट की धारा 3(2) एवं बीएनएस की धारा 112(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

10 लीटर शराब जब्त

पिथौरा। ग्राम सुखीपाली-मालडीह क्षेत्र में अवैध महुआ शराब बनाने और बेचने का मामला सामने आया है। पिथौरा पुलिस ने 5 नवंबर को सुबह करीब 11.33 बजे आरोपी के खेत में दबिश देकर उमसेन पटेल पिता शशी पटेल (41), निवासी ग्राम सुखीपाली-मालडीह को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से 10 हजार एमएल महुआ शराब, जिसकी कीमत करीब 2 हजार रुपए है, तथा शराब बनाने का बर्तन कीमत 400 रुपए बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अवैध शराब बिक्री बुजुर्ग गिरफ्तार

सरायपाली। गांव में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरायपाली पुलिस ने 89 वर्षीय व्यक्ति को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार 5 नवंबर की रात करीब 10.31 बजे ग्राम चौड़ा तालाब के पास दबिश देकर चैताराम चौधरी पिता जीवन चौधरी (89), निवासी ग्राम चौड़ा को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 4860 एमएल देशी प्लेन एवं अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कीमत करीब 3015 रुपए बताई गई है।

बाइक की बैटरी चोरी

महासमुंद। शहर के बीटीआई रोड क्षेत्र में चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर ने घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल की बैटरी पार कर दी। प्रार्थी हरनारायण गोंड़ (42), निवासी बीटीआई रोड ने सिटी कोतवाली पुलिस को बताया कि 3 नवंबर की दरमियानी रात उसकी बाइक की बैटरी चोरी हो गई। चोरी गई बैटरी की कीमत करीब 15 हजार रुपए बताई गई है।

लापता विवाहिता के अपहरण की आशंका

महासमुंद। पीड़िता के घर से अचानक लापता होने के मामले में अपहरण की आशंका जताई गई है। पुलिस के अनुसार 2 नवंबर को पीड़िता की बहन ने सूचना दी कि उसकी 21 वर्षीय विवाहिता बहन घर से कहीं चली गई है। परिजनों को आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका अपहरण किया है। मामले में महासमुंद थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 140(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दीपावली से पहले गांधी मैदान की पटाखा दुकानों का एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश, भीड़ प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा पर विशेष जोर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखों की खरीदी-बिक्री के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कबीरधाम पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव ने कवर्धा शहर के गांधी मैदान स्थित पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दुकानदारों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री आशीष शुक्ला एवं थाना सिटी कोतवाली पुलिस की टीम मौजूद रही। पुलिस अधीक्षक ने पटाखा दुकानों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशील स्थिति, विद्युत सुरक्षा, आग से बचाव के इंतजाम तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

एसपी श्री यादव ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही पटाखों का विक्रय करें। दुकानों में अग्निशमन उपकरण अनिवार्य रूप से रखें तथा ज्वलनशील वस्तुओं और आग उत्पन्न करने वाले साधनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए



जरूरी सावधानियां बरतने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करने की हिदायत दी।

उन्होंने पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पटाखा दुकानों एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, भीड़ और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा खरीदारी के लिए आने वाले महिला-पुरुषों, बच्चों एवं अन्य नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार के दौरान बाजारों में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखना बेहद जरूरी है। कबीरधाम पुलिस द्वारा जिले में शांतिपूर्ण कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

कबीरधाम पुलिस की अपीलः पुलिस ने जिलेवासियों एवं पटाखा व्यापारियों से अपील की है कि दीपावली का पर्व सावधानी और जिम्मेदारी के साथ मनाएं।

पटाखों का क्रय-विक्रय निर्धारित नियमों के अनुसार करें तथा सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। सभी नागरिकों के सहयोग और सतर्कता से दीपावली पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जा सकता है।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

दीपावली पर मिट्टी के दीयों और गुल्लकों से संवार रहीं स्वदेशी परंपरा

गौरेला पेंड्रा मरवाही (दैनंदिनी ब्यूरो)। दीपावली का पर्व रोशनी, खुशियों और आत्मनिर्भरता का संदेश लेकर आता है। इस दीपावली पेंड्रा विकासखंड के नवागांव निवासी महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती संतोषी प्रजापति अपने हुनर और मेहनत से न केवल अपने परिवार की खुशहाली में योगदान दे रही हैं, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी साकार कर रही हैं। महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त की राशि प्राप्त होने



के बाद श्रीमती संतोषी प्रजापति इस राशि का उपयोग मिट्टी के दीये और गुल्लक बनाने के कार्य में कर रही हैं। दीपावली के अवसर पर उनके द्वारा तैयार किए जा रहे मिट्टी के दीये घर-आंगन को रोशन करने के साथ ही हमारी पारंपरिक कला और स्वदेशी संस्कृति को भी जीवंत बनाए रखने का संदेश दे रहे हैं। वहीं मिट्टी की गुल्लक के माध्यम से वे बचत की अच्छी आदत को भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

संतोषी केवल मिट्टी के दीये और गुल्लक बनाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे बकरी पालन का कार्य भी कर रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से वे अपनी आजीविका को मजबूत बनाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए अपने हुनर को आगे बढ़ाने और स्वरोजगार के अवसरों को साकार करने में सहायक बन रही है। उनकी यह पहल स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, पारंपरिक कारीगरी को प्रोत्साहित करने और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का संदेश देती है। श्रीमती संतोषी प्रजापति ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस दीपावली आइए, स्थानीय कारीगरों के हाथों से बने मिट्टी के दीये जलाएं और 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाकर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

गांवों में छिपी प्रतिभाओं को मंच देना जरूरी : द्वारिकाधीश यादव

बागबाहरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम छिन्दौली में दिव्य प्रकाश नवयुवक समिति के तत्वावधान में भव्य डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभागियों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम में खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित



मंच और अवसर उपलब्ध कराने की है। प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सामूहिक सहभागिता को भी मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी।

धनतेरस पर बाजारों में रही रौनक

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। धनतेरस के साथ ही दीपावली के तीन दिवसीय उत्सवी माहौल का आगाज हो गया है। त्योहार की खरीदारी को लेकर शहर के बाजारों में रौनक चरम पर है। पुष्प नक्षत्र के दिन अपेक्षा के अनुरूप कारोबार नहीं होने से मायूस व्यापारियों के चेहरों पर धनतेरस ने फिर मुस्कान लौटा दी है। सुबह से ही बाजार में खरीदारों की आवाजाही बढ़ने लगी है। सराफा बाजार से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, बर्तन और घरेलू उपयोग की दुकानों तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। दुकानों की आकर्षक सजावट, विशेष छूट और



उपहार योजनाओं के बीच बाजार में इस बार जमकर धनवर्षा होने की उम्मीद है।

धनतेरस पर सोना-चांदी, नए बर्तन और वाहन खरीदने की परंपरा के चलते व्यापारियों ने पहले से ही खास तैयारियां की हैं। सराफा दुकानों में सोने-चांदी के आभूषणों और सिक्कों की आकर्षक रेंज सजाई गई है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल सहित आधुनिक उपकरणों पर विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय की 'विष्णु के पाती' ने बसंती राजवाड़े के संघर्ष को दिया संबल

सूरजपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल 'विष्णु के पाती' के माध्यम से आम नागरिकों तक पहुंच रही आत्मीयता और संवेदनशीलता का एक भावुक उदाहरण सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कृष्णपुर की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिला बसंती राजवाड़े के जीवन में देखने को मिला। मुख्यमंत्री द्वारा उनके संघर्ष, स्वरोजगार और परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को आत्मीयता से उल्लेखित करते



हुए पत्र लिखे जाने पर बसंती भावुक हो उठीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्र पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई और कठिन समय में आगे बढ़ने का नया हौसला मिला है।

बसंती राजवाड़े ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए स्वरोजगार की राह चुनी। तीन बेटियों और माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने बिहान योजना के स्व-सहायता समूह से जुड़कर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त किया और सरसों तेल निकालने का व्यवसाय शुरू किया। आज यही व्यवसाय उनके परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन गया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में बसंती के संघर्ष, साहस और बेटियों के भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने उनकी बेटियों आस्था, अंकिता और समीक्षा की शिक्षा का उल्लेख करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही माता-पिता की देखभाल और परिवार के प्रति उनके समर्पण को भी सराहा।

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान संचालित

सक्ती (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के आदेश एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए विशेष सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मितल ट्रेडर्स सक्ती से सोनपापड़ी एवं सूजी, पिहू होटल फगुराम से मिल्क केक, होटल देवराज से मलाई पेड़ा, सकर्रा के मामा-भांजा होटल एंड स्वीट्स से क्रीम रोल (स्वीट्स), अन्नपूर्णा होटल बाराद्वार से रसगुल्ला, मधुर स्वीट्स जैजैपुर से चमचम, सूर्या होटल एंड स्वीट्स हसौद से बूंदी लड्डू और कलाकंद, ननकीदाऊ मिष्ठान भंडार हसौद से पेड़ा तथा महाराजा होटल चंद्रपुर से बूंदी का नमूना लिया गया एवं जांच हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण के पश्चात खाद्य पदार्थ अमानक स्तर के पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के



अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी।

जिला सक्ती में स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स चंद्रपुर, यादव होटल चंद्रपुर, बीकानेर स्वीट्स जैजैपुर, शिव शक्ति जोधपुर होटल, नटराज स्वीट्स, बनारसी होटल एवं छेदी होटल का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही रैपिड टेस्ट किट की सहायता से मौके पर ही मिठाइयों और खोया का परीक्षण किया गया। जिन फर्मों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों और शर्तों के अधीन कार्य संचालन नहीं पाया गया, उन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एवं संतुष्टिजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार सक्ती श्री लीलाधर चंद्रा के साथ राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार जागृति आनंद एवं श्री पद्म लोचन पटेल, अभिहित अधिकारी श्री अहसान तिग्गा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी निखिलेश साहू, शांतनु भट्टाचार्य एवं सरिता मरावी शामिल रहे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों से नियमों का पालन करने, साफ-सफाई रखने, मिठाइयों को खुले में नहीं रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने तथा बिना मिलावट के समान बनाने की अपील की गई है। साथ ही उपभोक्ताओं से सुरक्षित एवं मानक खाद्य पदार्थ खरीदने तथा सभी खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर सामान खरीदने की अपील की गई है।

1 किलो 60 ग्राम गांजा सहित महिला गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं बिक्री पर अंकुश लगाने तथा इसमें संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पंडरिया श्री भूपत सिंह के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी पंडरिया निरीक्षक श्री अजय सिन्हा के नेतृत्व में थाना पंडरिया पुलिस एवं एएनटीएफ टीम द्वारा मादक पदार्थ गांजा की अवैध बिक्री के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक महिला आरोपी को गांजा एवं बिक्री की नगदी रकम सहित पकड़ा गया है।

थाना पंडरिया पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नया बस स्टैंड पंडरिया के पास वार्ड क्रमांक 11 बैरागपारा निवासी बुधवारा उर्फ गुड्डी बाई अपने घर में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री कर रही है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा



पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर संदेहिया बुधवारा उर्फ गुड्डी बाई से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसके द्वारा अपने घर में गांजा रखना एवं बिक्री करना स्वीकार किया गया। इसके पश्चात आरोपीया द्वारा अपने निवास के कमरे में छिपाकर रखे गए मादक पदार्थ गांजा को निकालकर प्रस्तुत किया गया। पुलिस टीम द्वारा गवाहों के समक्ष विधिवत पहचान एवं इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौल कराने पर पारदर्शी पॉलीथिन सहित गांजा का कुल वजन 01 किलो 60 ग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 53,000/- रुपये है। इसके अतिरिक्त आरोपीया के कब्जे से गांजा बिक्री से प्राप्त नगदी रकम 1,760/- रुपये भी बरामद की गई। इस प्रकार पुलिस टीम द्वारा आरोपीया बुधवारा उर्फ गुड्डी बाई पति राहुल निवासी वार्ड क्रमांक 11 बैरागपारा, पंडरिया, जिला कबीरधाम के कब्जे से कुल 01 किलो 60 ग्राम गाँजा एवं बिक्री की नगदी रकम सहित कुल 54,760/- रुपये की संपत्ति जप्त की गई। आरोपीया के विरुद्ध थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 226/2026, धारा 20(बी)(ii)(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

सराहनीय भूमिका – उक्त कार्यवाही में थाना पंडरिया पुलिस एवं एएनटीएफ टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रियता, आपसी समन्वय एवं सतर्कता से मादक पदार्थ की अवैध बिक्री के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। संपूर्ण कार्यवाही में थाना पंडरिया पुलिस एवं एएनटीएफ टीम की सराहनीय भूमिका रही।

कांग्रेस कहती रही,पीएम मोदी ने करके दिखाया

आजादी के बाद से देश में गरीबी सबसे बड़ी समस्या रही है।कोई भी देश तेजी से विकास नहीं कर सकता यदि देश में गरीबी ज्यादा है। देश के विकास के लिए गरीबी को कम करना जरूरी होता है। आजादी के बाद कई दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही और देश में गरीबी हटाओं का नारा लगाती रही लेकिन देश से गरीबी को कम करने के लिए जो कुछ किया जाना था,नही किया गया यही वजह है कि जब तक कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी देश में दूसरे देशों की तरह कम नहीं हुई वह देश की गंभीर समस्या बनी रही।कांग्रेस की जगह कोई और राजनीतिक दल होता तो वह जरूर गरीबी दूर करने का प्रयास करता। गरीबी दूर नही होती वह कम तो होती लेकिन कांग्रेस ने गरीबों को भी अपना वोट बैंक समझा और माना जब तक गरीबी है,वोट गरीबी हटाने के नाम पर गरीब उसको वोट देते रहेंगे।गरीबों के वोट से कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी हटाने की जगह गरीबी हटाने का वादा करती रही और गरीब कांग्रेस के समय गरीब ही बने रहे।.यही वजह है कि आज भी राहुल गांधी जैसे नेता कहते हैं कि गरीबी एक मानसिक अवस्था है।कांग्रेस के कुछ नेता आज जब भी भारत व पीएम मोदी को नीचा दिखाना होता है तो वह चीन का उदाहरण देते हैं और भारत को विकास के मामले में पिछड़ा बताने का प्रयास करते हैं। कांग्रेस के ऐसे नेताओं को यह जानकर जोर का झटका लग सकता है कि गरीबी हटाने के मामले में पीएम मोदी ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।चीन को अपने यहां गरीबी कम करने में 40 साल लगे तो पीएम मोदी ने भारत में वही काम यानी गरीबी कम करने का काम मात्र 12 साल में कर दिखाया! दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल नहीं की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था।बचपन में गरीबी को झेलने वाले PM ने 49.6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है।विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। बचपन में घोर गरीबी में रहने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी गरीबी की समस्या थी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी से देश को बाहर निकालने का काम शुरू किया। अब इस काम के सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक माना है। यह सब पहले भी संभव भी था लेकिन पीएम मोदी ने जिस तरह मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए यह काम करने में सफल रहे,कांग्रेस अपने समय में यह सोच नही सकी कि गरीबी दूर भी की जा सकती है। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है,यह कोई आसान काम नहीं था।इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत थी,भारत को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प था और गरीबी का देश में कम होना संकल्प की सिध्दि है यह सिध्दि हर भारतीय के लिय गौरव की बात है। यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। पीएम मोदी की इन योजनाओं से गरीबों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी ,सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और आज देश के करोड़ो लोग कुछ न कुछ कर रहे है,कुछ न कुछ बना रहे हैं, कुछ न कुछ सीख रहे हैं। पहले गरीब होने का मतलब होता था कि आदमी खुद को असहाय समझता था, वह मानता था कि वह देश के लिए कुछ नहीं कर सकता।आज गरीब आदमी को भी इस बात का भरोसा है वह अपनी गरीबी दूर सकता है,जब देश के नेतृत्व के साथ ही निचले स्तर के आदमी में भरोसा होता है कि हम देश मे बदलाव ला सकते हैं तो देश में बदलाव १२ साल में होता है और वह दिखता भी है और उसकी विश्व में सराहना भी होती है।

दीपोत्सव

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति

ललित गर्ग

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है- जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?

आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया- मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर



निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है।

दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा।

इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हों, मनुष्य को अपने भीतर की लौ को बुझने नहीं देना चाहिए। इस दीपावली घरों के साथ हृदयों को भी सजाएं, चौखट के साथ चेतना को भी संवारें और आकाश में उड़ती रोशनी के साथ अपने भीतर आत्मज्योति को भी प्रज्वलित करें। क्योंकि विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान चमकती सड़कों से नहीं, जाग्रत नागरिकों से होगी।

आज भारत नई करवट ले रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था नई ऊँचाइयां छू रही है, विज्ञान नई सीमाएं लांघ रहा है, युवा नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं और भारत विश्वमंच पर अपनी भूमिका को नए आत्मविश्वास के साथ स्थापित कर रहा है। इस परिवर्तन की यात्रा में दीपावली का संदेश भी नया होना चाहिए-बाहर का भारत रोशन हो और भीतर का भारत जागृत हो। तभी दीपावली केवल एक पर्व नहीं रहेगी, वह नवभारत की नवज्योति, सनातन संस्कृति की नई आभा और विश्वमानवता के लिए भारत के प्रकाश-पथ का उद्घोष बनेगी।

आइए इस दीपावली एक दीप अपने घर में जलाएं और एक दीप अपने भीतर। एक दीप समृद्ध भारत के लिए और एक दीप संवेदनशील भारत के लिए। एक दीप विकास के लिए और एक दीप विवेक के लिए। क्योंकि जब भीतर का दीप जलता है, तभी बाहर की रोशनी सार्थक होती है। और जिस दिन भारत के करोड़ों अंतःकरणों में यह ज्योति प्रज्वलित हो जाएगी, उस दिन भारत केवल विकसित नहीं होगा-वह विश्व को विकास के साथ विवेक, शक्ति के साथ शांति और समृद्धि के साथ संवेदना का मार्ग दिखाने वाला विश्वगुरु बनेगा।

राशिफल

मेष आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम उठाने और अपने धैर्य को बनाए रखने की सीख दे सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फिजूलखर्ची से बचने की कोशिश करें। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना जरूरी होगा।

वृषभ आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। जिस काम को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। निवेश से लाभ होने और कारोबार में तेजी आने के संकेत हैं.

मिथुन आज आपकी समझदारी, बुद्धिमानी और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत हैं और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से मन को राहत मिल सकती है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों के लिए अप्रत्याशित हो सकते हैं.

कर्क आज आपको अपनी प्राथमिकताएं तय करके अधूरे कामों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। जिन जिम्मेदारियों को आप लगातार टाल रहे हैं, वे आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती हैं। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं।

सिंह आज आपका व्यक्तित्व और प्रभाव लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेंगे, वहीं कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलने से काम करना आसान होगा। आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर मिल सकते हैं।

कन्या आज का दिन कामकाज की व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है। किसी व्यावसायिक या जरूरी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। परिवार से जुड़ा कोई विषय मन में चिंता पैदा कर सकता है.

तुला आज घर-परिवार में खुशियों और उत्साह का माहौल बन सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की सूचना मिल सकती है या शादी-विवाह से जुड़ी तैयारियां घर की रौनक बढ़ा सकती हैं। अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आज का दिन खुशियों के साथ कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी लेकर आ सकता है। कामकाज का दबाव बढ़ने से थोड़ी थकान या मानसिक व्यस्तता महसूस हो सकती है, लेकिन छोटे-छोटे आर्थिक लाभ आपका उत्साह बनाए रखेंगे। पड़ोस में किसी मुद्दे को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के कई अवसर आ सकते हैं। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार करने का मौका मिलेगा और सही योजना के साथ काम करने पर लाभ की संभावना भी बन सकती है।

मकर आज आपको हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। जल्दबाजी या अधूरी जानकारी के आधार पर लिया गया फैसला आर्थिक और व्यक्तिगत मामलों में परेशानी पैदा कर सकता है। इसलिए किसी भी बड़े निर्णय से पहले सभी जरूरी तथ्यों को समझ लें और आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें।

कुंभ आज कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि काम के दौरान तकनीकी समस्याएं या छोटी-मोटी रुकावटें आपकी गति धीमी कर सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में परेशान होने के बजाय अपने अनुभव और व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल करें। धैर्य से काम लेने पर समस्याओं का समाधान मिल सकता है। ससुराल पक्ष से किसी सदस्य के घर आने की संभावना है,.

मीन आज आपकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका लोगों के सामने आपकी अच्छी छवि बना सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें फिर से ताजा हो सकती हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक संतोष देगा। जीवनसाथी के साथ कुछ खास पल बिताने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्ते में प्रेम और नजदीकियां बढ़ेंगी।

आडवाणी जी: एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



आज 8 नवंबर को श्री लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी जी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं।

सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर श्रद्धेय आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है...

"जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, श्रृणुयाम शरदः शतं।"

ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी जी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में, जब वे युवा थे, तब उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी। लेकिन इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा।

कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी जी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी। यहां मैं आडवाणी जी के व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया।

आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। इसके बाद की कहानी तो इतिहास का हिस्सा बन चुकी है। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे। राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं और साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं। लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। एक-दूसरे के प्रति उनका विश्वास और सम्मान हमेशा बना रहा। अटल जी के जीवन के अंतिम समय तक ये साथ कायम रहा। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है।आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय विजय कुमार मल्होत्रा जी के साथ मिलकर काम किया, जो मुख्य कार्यकारी पार्षद बने थे।

एक सांसद के रूप में आडवाणी जी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। संसद में उनकी सक्रिय भागीदारी की आज भी सराहना होती है। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे।

1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला। गांधीनगर की जनता ने भी उन्हें बार-बार बड़े बहुमत से विजयी बनाकर संसद भेजा। मेरे लिए ये भी बहुत सौभाग्य की बात रही कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र का मतदाता होने के नाते मुझे अनेक बार आडवाणी जी को अपना वोट देने का अवसर मिला। अपने संसदीय क्षेत्र और वहां के लोगों के प्रति उनका लगाव, उनकी चिंता और उनकी जरूरतों का ध्यान रखने का उनका भाव, हम सभी के लिए सीखने योग्य है।

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। आपातकाल के दौरान उन्होंने जो कुछ देखा, अनुभव किया और महसूस किया, उसकी झलक उनकी पुस्तक 'A Prisoner's Scrap-Book' में भी मिलती है। इस पुस्तक का एक हिस्सा है–'A Tale of Two Emergencies'। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है। आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे सुरक्षा बलों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किए, उन्हें आज भी बड़े आदर और आत्मीयता से याद किया जाता है। आतंकवाद के खिलाफ उनका रुख हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रहा। उनके इसी संकल्प के कारण देश को आतंकवाद से निपटने के लिए एक सख्त कानून मिला। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। इस यात्रा ने भारतीय समाज को एक नई और सकारात्मक दिशा दी। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था। इतनी लंबी यात्रा अपने आप में एक बड़ी चुनौती होती है। लगातार सफर, लंबे समय तक काम करना, शारीरिक थकान और इन सबके बीच अपने उद्देश्य पर पूरी तरह केंद्रित रहना, इसके लिए अद्भुत धैर्य और सहनशक्ति की आवश्यकता होती है। आडवाणी जी ने इस पूरी यात्रा में जिस जीवटता और संकल्पशक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है।

इस यात्रा से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। बिहार में आडवाणी जी की गिरफ्तारी हम सभी के लिए बहुत दुखद क्षण था। उस समय गुजरात में भाजपा ने चिमनभाई पटेल की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके पीछे संदेश बिल्कुल स्पष्ट था...अपनी विचारधारा और राम मंदिर के निर्माण के संकल्प पर कोई समझौता नहीं होगा। हमारे अनेक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होकर ही रहेगा। और फिर वर्षों बाद वो ऐतिहासिक अवसर भी आया, जब जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का सपना साकार हुआ।

आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था।

आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं। इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक 'My Country My Life' में इसकी सुंदर झलक मिलती है।

आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सि

दीपावली पर बस्तर के परचनपाल की हस्तकला का जलवा

शोभा बघेल के सीसल शिल्प से रोशन हो रहे सैकड़ों घर, बढ़ी स्थानीय उत्पादों की मांग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आगामी दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों की आहट के साथ ही बाजारों में स्थानीय कला और पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) हस्तनिर्मित उत्पादों की रौनक देखते ही बन रही है। इस त्योहारी माहौल में बस्तर जिले के बस्तर के परचनपाल गांव की ख्यातिप्राप्त हस्तशिल्प कलाकार श्रीमती शोभा बघेल द्वारा सीसल के प्राकृतिक रेशों से तैयार किए गए कलात्मक बैग और आकर्षक सजावटी उत्पाद आमजन की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। घरों की साज-सज्जा और उपहारों के आदान-प्रदान के लिए इन कलाकृतियों की बढ़ती मांग ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

वोकल फॉर लोकल की भावुक अपील- उत्सवों में लाएं स्थानीय कारीगरों की खुशहाली

त्योहारी सीजन में अपने उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच शिल्पकार शोभा बघेल ने नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहारों पर बाजार के सामान्य सामानों के बजाय यदि लोग हमारे स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प को अपनाएं, तो उत्सवों की खुशियां और अधिक दोगुनी हो जाती हैं। इससे न केवल हमारी पारंपरिक कला को सम्मान मिलता है, बल्कि दिन-रात पसीना बहाकर इन अनुपम कृतियों को तराशने वाले स्थानीय शिल्पकारों के परिवारों के जीवन में भी वास्तविक आर्थिक समृद्धि का उजाला फैलता है।

संघर्ष से सफलता तक- 2004 के प्रशिक्षण से शुरू हुआ सफर

श्रीमती शोभा बघेल की यह सफलता उनकी अटूट इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और पारंपरिक हुनर के अनूठे संगम की जीवंत मिसाल है। उनके इस प्रेरणादायी सफर की शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी, जब उन्होंने हस्तशिल्प विकास बोर्ड से सीसल के रेशों से हस्तशिल्प तैयार करने का विशेष प्रशिक्षण हासिल किया था।



प्रशिक्षण के बाद उन्होंने सीसल के मजबूत और प्राकृतिक रेशों को बारीक गूंथकर बैग, दीवार सज्जा, टेबल मैट और उपहार योग्य करीब 40 से 50 प्रकार की बेहद आकर्षक व टिकाऊ कलाकृतियां बनाना शुरू किया। समय के साथ उनकी इस अनूठी कला को व्यापक पहचान मिली। आज उनके उत्पादों की मांग चित्रकोट, शबरी एम्पोरियम, राज्योत्सव और सरस मेलों जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर बड़े पैमाने पर है। बड़ी संख्या में लोग सीधे उनके घर पहुंचकर भी खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक की नियमित और सम्मानजनक आय हो रही है।

एक हजार से अधिक ग्रामीण महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर

अपनी पारिवारिक आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के साथ-साथ शोभा बघेल ने समाज के प्रति अपने दायित्व को भी पूरी निष्ठा से निभाया है। उन्होंने अपने हुनर को अपने तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण अंचल की एक हजार से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा है और स्वावलंबन का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है।

त्योहारों के इस पावन अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल सीसल उत्पादों की यह गूंज प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के संकल्प को तो सशक्त कर ही रही है, साथ ही महिला सशक्तीकरण और जमीनी स्तर पर आत्मनिर्भरता की एक अनूठी और प्रेरणादायी मिसाल भी पेश कर रही है।

वोकल फॉर लोकल की भावुक अपील- उत्सवों में लाएं स्थानीय कारीगरों की खुशहाली

त्योहारी सीजन में अपने उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच शिल्पकार शोभा बघेल ने नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहारों पर बाजार के सामान्य सामानों के बजाय यदि लोग हमारे स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प को अपनाएं, तो उत्सवों की खुशियां और अधिक दोगुनी हो जाती हैं। इससे न केवल हमारी पारंपरिक कला को सम्मान मिलता है, बल्कि दिन-रात पसीना बहाकर इन अनुपम कृतियों को तराशने वाले स्थानीय शिल्पकारों के परिवारों के जीवन में भी वास्तविक आर्थिक समृद्धि का उजाला फैलता है।

संघर्ष से सफलता तक- 2004 के प्रशिक्षण से शुरू हुआ सफर

श्रीमती शोभा बघेल की यह सफलता उनकी अटूट इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और पारंपरिक हुनर के अनूठे संगम की जीवंत मिसाल है। उनके इस प्रेरणादायी सफर की शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी, जब उन्होंने हस्तशिल्प विकास बोर्ड से सीसल के रेशों से हस्तशिल्प तैयार करने का विशेष प्रशिक्षण हासिल किया था।

प्रशिक्षण के बाद उन्होंने सीसल के मजबूत और प्राकृतिक रेशों को बारीक गूंथकर बैग, दीवार सज्जा, टेबल मैट और उपहार योग्य करीब 40 से 50 प्रकार की बेहद आकर्षक व टिकाऊ कलाकृतियां बनाना शुरू किया। समय के साथ उनकी इस अनूठी कला को व्यापक पहचान मिली। आज उनके उत्पादों की मांग चित्रकोट, शबरी एम्पोरियम, राज्योत्सव और सरस मेलों जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर बड़े पैमाने पर है। बड़ी संख्या में लोग सीधे उनके घर पहुंचकर भी खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक की नियमित और सम्मानजनक आय हो रही है।

एक हजार से अधिक ग्रामीण महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर

अपनी पारिवारिक आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के साथ-साथ शोभा बघेल ने समाज के प्रति अपने दायित्व को भी पूरी निष्ठा से निभाया है। उन्होंने अपने हुनर को अपने तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण अंचल की एक हजार से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा है और स्वावलंबन का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है।

त्योहारों के इस पावन अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल सीसल उत्पादों की यह गूंज प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के संकल्प को तो सशक्त कर ही रही है, साथ ही महिला सशक्तीकरण और जमीनी स्तर पर आत्मनिर्भरता की एक अनूठी और प्रेरणादायी मिसाल भी पेश कर रही है।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम



जगदलपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया।

वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इस सफल आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

इस दिवाली, खुशियों वाली – पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की अनूठी पहल, जरूरतमंदों के जीवन में रोशन की खुशियों की लौ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

"दीपावली की असली रोशनी केवल घरों को सजाने से नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने से होती है।"

इसी प्रेरणादायक सोच और सेवा भावना को आत्मसात करते हुए पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी "इस दिवाली, खुशियों वाली" अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों एवं बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं।



संस्था द्वारा रायपुर के बस स्टैंड एवं मठपुरैना क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को दीपावली के अवसर पर नए कपड़े, मिठाइयां, नमकीन, दीपक, बाती, तेल, ड्रॉइंग बुक, कलर एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य केवल वस्तुओं का वितरण करना नहीं, बल्कि उन परिवारों को यह एहसास कराना था कि खुशियों के इस त्योहार में वे भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके साथ भी पूरा समाज खड़ा है।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि "खुशियां बांटने के लिए धन से ज्यादा एक संवेदनशील हृदय और सेवा का भाव होना जरूरी है। हमारे द्वारा किया गया छोटा-सा प्रयास यदि किसी परिवार की दीपावली को खुशियों से भर सकता है, तो इससे बड़ी संतुष्टि और कोई नहीं।"

उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव की शुरुआत छोटी-छोटी सकारात्मक पहलों से होती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले, तो कोई भी त्योहार किसी के लिए अधूरा नहीं रहेगा। सेवा और सहयोग की भावना से जुड़े संस्था के सदस्य

इस पुनीत अभियान में पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की फाउंडर डॉ. कविता कुम्भज जी, मूलचंद कश्यप जी, राहुल कुम्भज जी, ज्योति कुम्भज जी एवं समाजसेवी पीयूष जैन सहित संस्था के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के स्टाफ सदस्य ज्योति मैम, रानी मैम, काजल मैम, कृष्णा सर, प्रतीक सर, राधिका मैम, आशीष सर, पायल मैम, नमन सर एवं हेमलता यादव का सराहनीय योगदान रहा। साथ ही पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और सेवा, संवेदना एवं सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

एक दीप उम्मीद का, एक प्रयास मुस्कान का!

पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन का मानना है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि एक बेहतर और संवेदनशील समाज का निर्माण करना भी है। इसी विचार के साथ संस्था शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर अपनी सहभागिता निभा रही है।संस्था ने सभी सहयोगियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज के जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

विष्णु की पाती से बढ़ा 'ड्रोन दीदी' चित्ररेखा साहू का हौसला

मुख्यमंत्री ने की चित्ररेखा के आत्मनिर्भरता के प्रयासों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कुशल निर्वहन की सराहना, 'नमो ड्रोन दीदी' योजना से ग्रामीण महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले की 'ड्रोन दीदी' श्रीमती चित्ररेखा साहू को विशेष संदेश 'विष्णु की पाती' भेजकर उनके मेहनत, समर्पण और आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री की ओर से मिले इस आत्मीय संदेश ने जुर्रीपारा की रहने वाली चित्ररेखा साहू की खुशियों को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री ने अपनी पाती में परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कृषि क्षेत्र में आधुनिक ड्रोन तकनीक अपनाने तथा आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत करने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की है। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय का यह प्रोत्साहन चित्ररेखा के लिए केवल एक पत्र नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, संघर्ष और उपलब्धियों को मिला सम्मान है। यह सम्मान उन ग्रामीण महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती हैं।

परिवार की जिम्मेदारियों के साथ चुनी आत्मनिर्भरता की राह

बालोद के जुर्रीपारा की श्रीमती चित्ररेखा साहू ने परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के साथ अपने लिए एक नई राह बनाई है। उन्होंने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और



अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। परंपरागत खेती-किसानी से आगे बढ़कर उन्होंने कृषि क्षेत्र में नई तकनीक अपनाने का साहस दिखाया और आज वे 'ड्रोन दीदी' के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

'नमो ड्रोन दीदी' योजना से मिला तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार का अवसर

शासन की महत्वाकांक्षी 'नमो ड्रोन दीदी' योजना के माध्यम से चित्ररेखा साहू ने विधिवत तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर ड्रोन संचालन की बारीकियां सीखीं। आज वे खेतों में नैनो यूरिया, डीएपी और कीटनाशकों का छिड़काव ड्रोन के माध्यम से कर रही हैं।

इससे किसानों का समय और श्रम बच रहा है तथा कृषि कार्य अधिक सुविधाजनक हो रहे हैं। वहीं, इस कार्य से चित्ररेखा को आजीविका का नया अवसर और समाज में एक विशिष्ट पहचान मिली है।

मुख्यमंत्री की पाती से बढ़ा आत्मविश्वास और मनोबल

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से 'विष्णु की पाती' प्राप्त होने पर भावुक चित्ररेखा साहू ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिला यह संदेश उनके लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है। मुख्यमंत्री ने उनके कार्यों के साथ-साथ बच्चों के पालन-पोषण और परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियों की भी सराहना की है। इससे उनका आत्मविश्वास और मनोबल कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने इस आत्मीय सम्मान और प्रोत्साहन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा उन्हें राज्य स्थापना दिवस और दीपावली पर्व की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दीं।

चित्ररेखा की सफलता से ग्रामीण महिलाओं को मिल रही नई प्रेरणा

चित्ररेखा साहू की कहानी बताती है कि परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए भी महिलाएं अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। शासन की योजनाओं से मिले अवसर, तकनीकी प्रशिक्षण और अपने आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक को अपनाकर आत्मनिर्भरता की नई राह बनाई है। आज उनकी उपलब्धि अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी आगे बढ़ने, नई तकनीक सीखने और अपने पैरों पर खड़े होने के लिए प्रेरित कर रही है।

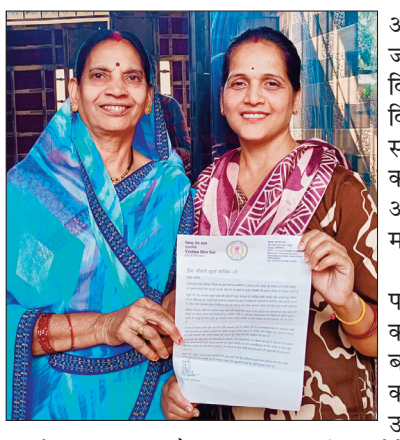
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' ने चित्ररेखा के इस सफर को आत्मीय सम्मान दिया है। यह संदेश उनके लिए आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा और ग्रामीण महिलाओं के लिए यह विश्वास है कि मेहनत, हुनर और सही अवसर से हर सपना साकार हो सकता है।

विष्णु की पाती से मिला स्नेह और सम्मान,खिल उठे सास-बहू के चेहरे

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोरबा जिले के रामपुर निवासी महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती बहुरा कौशिक एवं उनकी बहू श्रीमती सविता कौशिक को 'विष्णु की पाती' लिखकर आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री ने उन्हें एवं उनके परिवार के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री की इस पहल से परिवार की दो पीढ़ियों की महिलाओं को आत्मीयता, स्नेह और सम्मान का संदेश मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीमती बहुरा कौशिक एवं श्रीमती सविता कौशिक और उनके पूरे परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने परिवार के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता के महत्व को रेखांकित किया है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में उल्लेख किया है कि महतारी वंदन योजना की मासिक सहायता राशि महिलाओं के लिए घर की आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है। इस राशि से परिवार की जरूरतों के साथ बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए भी



सहयोग मिल रहा है। नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। मासिक सहायता राशि से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग मिलना परिवार के लिए संतोष का विषय है। बैंक खाते में नियमित राशि उपलब्ध होने से महिलाएं जरूरत के समय आर्थिक रूप से अधिक आश्वस्त महसूस करती हैं और परिवार की जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा पाती हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि माताएं-बहनें अपने सपनों को लेकर निश्चिंत रहें और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प में महिलाओं की खुशहाली और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण स्थान है।

'विष्णु की पाती' पाकर श्रीमती बहुरा कौशिक एवं उनकी बहू श्रीमती सविता कौशिक बेहद उत्साहित और भावुक हुईं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा स्वयं पत्र लिखकर उनका कुशलक्षेम जानना उनके लिए बेहद खुशी और सम्मान की बात है। इससे उन्हें लगा कि सरकार उनकी खुशियों और जरूरतों का भी ध्यान रख रही है। उन्होंने इस आत्मीय पहल के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने महतारी वंदन योजना की 33वीं किश्त दीपावली से पहले उनके बैंक खातों में अंतरित कर दी है। इससे त्योहार की तैयारियों और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी तथा वे दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मना सकेंगी। दोनों ने योजना की राशि समय पर मिलने और 'विष्णु की पाती' के माध्यम से मिले स्नेह एवं सम्मान के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था। क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है।



36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था।

लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है।

दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, लिन अगले महीने शुरू होने वाली बिग बैश लीग के नए सीजन के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल होने के लिए तैयार थे। बैन पूरा होने के बाद अब उनके इस सीजन में खेलने का रास्ता साफ हो गया है।

लिन से जुड़ा यह मामला खिलाड़ियों के डोपिंग और मैदान के बाहर की जिम्मेदारी पर फिर सवाल खड़े करता है, हालांकि रेगुलेटर ने साफ किया है कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाला मामला नहीं था।

भारत-श्रीलंका के पहले वनडे मैच का बदला वेन्यू, नई दिल्ली की जगह अब विशाखापट्टनम में खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले पहले वनडे मैच के वेन्यू में बदलाव किया गया है। नई दिल्ली में होने वाला पहला वनडे मैच अब विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने बताया कि दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अनुरोध पर स्थान (वेन्यू) बदल दिया गया है, ऐसा मौसम की संभावित बाधाओं और स्टेडियम में प्रस्तावित नवीनीकरण कार्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पहले एकदिवसीय मुकाबला अब विशाखापट्टनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 दिसंबर, जबकि दूसरा मुकाबला 16 दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाना है। वहीं, तीसरा वनडे मैच 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। टी20 सीरीज की शुरुआत 22 दिसंबर से होगी। पहला मुकाबला राजकोट में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 24 दिसंबर को कटक में खेला जाना है। वहीं, तीसरा टी20 मैच 27 दिसंबर को पुणे में खेला जाना है।



भारतीय टीम फिलहाल न्यूजीलैंड के दौरे पर है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज को 3-2 से अपने नाम किया। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले तीन टी20 मैचों में लगातार जीत दर्ज करते हुए सीरीज पर कब्जा जमाया। वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बुधवार को टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया। भारतीय टीम को कुल पांच वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जिसको वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

भारतीय टीम ने घरेलू सरजमीं पर आखिरी सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी, जहां कैरेबियाई टीम ने भारत को कड़ी टक्कर दी थी। वनडे सीरीज को टीम इंडिया 2-1 से अपने नाम करने में सफल रही थी। वहीं, पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। वनडे सीरीज में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन काफी लचर रहा था। ऐसे में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए श्रीलंका के लिए होने वाली एकदिवसीय सीरीज को भारतीय टीम के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

पीएम मोदी के अपनेपन ने पैरा एथलीट्स का जीता दिल अशोक मलिक को अपने हाथ से खिलाया चूरमा

नई दिल्ली (एजेंसी) । एशियन पैरा गेम्स 2026 में हिस्सा लेने वाले भारतीय एथलीट्स इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस दौरान पुरुषों की 65 किलोग्राम पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में सिल्वर जीतने वाले अशोक कुमार मलिक अपने साथ चूरमा लेकर आए थे। पीएम मोदी ने बड़े अपनेपन और प्यार से अशोक को अपने हाथों से चूरमा खिलाया और फिर उन्हें पास खड़े अन्य खिलाड़ियों को भी चूरमा खिलाने को कहा। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अशोक कुमार मलिक ने बताया, यह एक बहुत ही शानदार बातचीत थी। मेरा इवेंट दो दिन पहले हुआ था, और जब मैंने सर से बात की, तो उन्होंने मुझसे कहा, आप सच में बहुत भाग्यशाली हैं। उनके ये शब्द सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने हमें आगे बढ़ते रहने और एलए गेम्स की तैयारी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मुझसे यह भी कहा कि मैं जो चूरमा साथ लाया हूं, उसे अपने सभी एथलीट्स साथी के साथ बांट लूं, जिससे हम सभी को बहुत खुशी हुई। वहीं, पूजा जत्यान के साथ मिलकर महिला रिकर्व डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल करने वालीं तीरंदाज भावना चौधरी ने पीएम से हुई मुलाकात पर कहा, प्रधानमंत्री मोदी हमेशा हमारे साथ खड़े रहते हैं। हमें ऐसा लगता है जैसे वे हमारे दोस्त हैं, जो हमारे लिए इतना कुछ कर रहे हैं, और यह जानकर बहुत अच्छा लगता है। अब एथलीट्स को बहुत सारे अवसर मिल रहे हैं। अगर आप पहले की स्थिति की आज से तुलना करें, तो अब हमें कहीं ज्यादा समर्थन मिल रहा है। महिलाओं की व्यक्तिगत डब्ल्यू1 तीरंदाजी स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतने वालीं स्वाति चौधरी ने कहा, भले ही मेरी उनसे सीधे बातचीत नहीं हो पाई, लेकिन उनसे मिलना ही अपने आप में बहुत शानदार अनुभव था। उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई और मन में गर्व की भावना जागी, जो भविष्य के लिए एक बड़ी प्रेरणा का काम करती है। खेलों को लेकर प्रधानमंत्री का विजन और उनके विचार न केवल सामान्य एथलीट्स के लिए, बल्कि पैरा-एथलीट्स के लिए भी बहुत बड़ा प्रोत्साहन है।

माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था।

हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे।

इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा।



ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है।

हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं।

मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीमों के हेड बेन ओलिवर ने कहा, माइक के पास टी20 का बहुत ज्यादा अनुभव है और हम 2028 में एलए ओलंपिक और टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान टीम पर उनके असर का इंतजार कर रहे हैं।

व्यापार

सरकार बेचेगी MTNL की 9000 करोड़ रुपये की संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल की 9000 करोड़ रुपये की संपत्ति अगले वित्त वर्ष 2027-28 में बेचने की योजना बना रही है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। बताते चलें कि ये सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारी-भरकम कर्ज के बोझ में दबी हुई है। सूत्रों का कहना है कि MTNL की संपत्ति बेचकर मिलने वाले 9000 करोड़ रुपये से सरकारी बॉन्ड गारंटी सहित अनुमानित 50,000 करोड़ रुपये के कर्ज से जूझ रही टेलीकॉम कंपनी के कर्ज को कम किया जाएगा।



बिक्री के लिए रखी जाएंगी साफ-सुथरी और विवादमुक्त 40 संपत्तियां

सूत्र ने कहा, "सरकार की अगले वित्त वर्ष 2027-28 के दौरान एमटीएनएल की 9000 करोड़ रुपये की भूमि संपत्ति का मौद्रिकरण (बाजार पर चढ़ाने) करने की योजना है।" उन्होंने बताया कि स्वामित्व से जुड़े कई मुद्दे थे, जिन्हें सुलझा लिया गया है और अब बिक्री के लिए 40 साफ-सुथरी और विवादमुक्त संपत्तियों को रखा जाएगा।

सरकारी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएनल पर 50,000 करोड़ रुपये की देनदारी

सूत्र ने बताया, "SGB (सरकारी गारंटी बॉन्ड) सहित एमटीएनएल की कुल देनदारियों और कर्ज के दायित्वों को चुकाने के लिए हमारे पास एमटीएनएल के संपत्ति आधार के रूप में पर्याप्त से ज्यादा सुरक्षा कवच है। सरकारी गारंटी बॉन्ड लगभग 30,000 करोड़ रुपये के हैं। एसजीबी को मिलाकर कुल देनदारियां लगभग 50,000 करोड़ रुपये बैठती हैं।" आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एमटीएनएल मुख्य रूप से संपत्ति के किराए से होने वाली इनकम से अपने कर्मचारियों का सैलरी दे रही है।

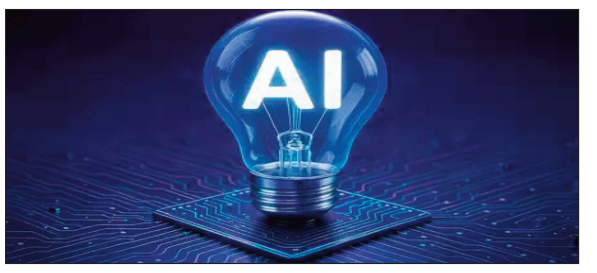
BSNL की सब्सिडरी कंपनी है महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड

एमटीएनएल (महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड) एक सरकारी टेलीकॉम कंपनी है। ये, देश की प्रमुख सरकारी टेलीकॉम कंपनी BSNL (भारत संचार निगम लिमिटेड) की सब्सिडरी कंपनी है। एमटीएनल, मुख्य रूप से देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई में लैंडलाइन और ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करती है। इसके साथ ही, ये कंपनी मोबाइल सेवाएं भी देती है। भारी नुकसान और कर्ज को ध्यान में रखते हुए अब BSNL ही MTNL का सारा बिजनेस संभाल रही है।

केंद्र ने हाल ही में IDBI Bank में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के प्रस्ताव को दी थी मंजूरी

भारत सरकार ने अभी हाल ही में IDBI Bank में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड 52,878.08 करोड़ रुपये में आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। एयर इंडिया की बिक्री के बाद ये देश का सबसे बड़ा रणनीतिक विनिवेश है। इस बिक्री में केंद्र सरकार की 30.48% और एलआईसी की 30.24% हिस्सेदारी शामिल है।

एआई अगले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में जोड़ सकता है 79 अरब डॉलर : रिपोर्ट



नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अगले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में 79 अरब डॉलर तक का योगदान दे सकती है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई क्षमता के मामले में भारत 56 कॉमनवेल्थ देशों में 11वें स्थान पर है और युवाओं की बड़ी आबादी के कारण वैश्विक एआई परिदृश्य में उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आयर थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 38.2 करोड़ युवा हैं, जो कॉमनवेल्थ देशों की कुल 73.2 करोड़ युवा आबादी के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसांख्यिकीय ताकत भारत को एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय युवाओं में एआई को लेकर उत्साह काफी अधिक है। लगभग 89 प्रतिशत युवा अगले एक वर्ष के भीतर शिक्षा या रोजगार से जुड़े कार्यों में एआई का उपयोग करना चाहते हैं। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने कहा कि उन्हें एआई-आधारित उपकरणों के साथ काम करने और उनका उपयोग करने का आत्मविश्वास है।

भारत के व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे, मजबूत 4जी कनेक्टिविटी और दुनिया के सबसे सस्ते मोबाइल डेटा में से एक होने के कारण एआई अपनाने की क्षमता को भी बड़ा समर्थन मिला है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभी केवल लगभग दो-तिहाई युवाओं के पास ही व्यक्तिगत मोबाइल फोन हैं, जो डिजिटल पहुंच के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों को दर्शाता है।

रिपोर्ट ने श्रम बाजार से जुड़े कुछ मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। इसके अनुसार करीब 30 प्रतिशत युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण से बाहर हैं, जबकि लगभग 86 प्रतिशत युवा कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है। ऐसे में एआई आधारित कौशल विकास कार्यक्रम रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयर थिंक टैंक के विश्लेषण के अनुसार, मध्यम परिदृश्य में एआई भारत की जीडीपी में अगले 10 वर्षों में 79.1 अरब डॉलर का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। यह योगदान सतर्क अनुमान के अनुसार 39.6 अरब डॉलर और आशावादी स्थिति में 118.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस आधार पर भारत कॉमनवेल्थ देशों में एआई से मिलने वाले आर्थिक लाभ के मामले में दूसरा सबसे बड़ा अवसर बनकर उभरता है। आयर थिंक टैंक के संस्थापक कैल्विन आयर ने कहा कि भारत पहले ही अपनी तकनीकी क्षमताओं को रोजगार सृजन में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि अगस्त 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वर्ष के भीतर एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल प्रदान करने की योजना की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद सरकार ने इंटेल इंडिया के सहयोग से नए एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए, जिनका उद्देश्य युवाओं को उभरते प्रौद्योगिकी आधारित रोजगार बाजार के लिए व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि ये पहल भारत में एआई के प्रति मौजूद उत्साह को रोजगार, उद्यमिता और आर्थिक विकास में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

अक्टूबर में भारत में ऑटो रिटेल बिक्री 31.72 लाख यूनिट के पार, ईवी बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने अक्टूबर 2026 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में कुल वाहन खुदरा बिक्री 31,72,466 यूनिट रही, जो सितंबर की तुलना में 25.05 प्रतिशत अधिक रही, हालांकि अक्टूबर 2025 के मुकाबले 23.80 प्रतिशत कम दर्ज की गई। फाडा का कहना है कि सालाना आधार पर दिख रही यह गिरावट मुख्य रूप से पिछले वर्ष के असाधारण उच्च आधार प्रभाव का परिणाम है।

अक्टूबर का सबसे बड़ा आकर्षण इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट रहा। ईवी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर लगभग 3.55 लाख यूनिट रही, जो एक साल पहले की तुलना में 44.88 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कुल वाहन बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 11.5 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह करीब 6 प्रतिशत थी। दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन, सभी श्रेणियों में अक्टूबर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ महीना रहा।

फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि अक्टूबर 2025 असाधारण रूप से मजबूत महीना था, क्योंकि उस समय नवरात्रि और दीपावली दोनों एक ही महीने में आए थे। इसके अलावा जीएसटी 2.0 दरों में कटौती के बाद बनी अतिरिक्त मांग का भी लाभ बाजार को मिला था। इसके विपरीत इस वर्ष नवरात्रि अक्टूबर में रही, जबकि धनतेरस और दीपावली नवंबर में चली गईं।



इसी उच्च आधार के कारण दोपहिया वाहनों की बिक्री में 28.35 प्रतिशत और यात्री वाहन बिक्री में 14.23 प्रतिशत की सालाना गिरावट दिखाई दी। हालांकि वाणिज्यिक वाहन बिक्री 2.29 प्रतिशत, तिपहिया वाहन 3.97 प्रतिशत, ट्रैक्टर 3.10 प्रतिशत और निर्माण उपकरण 22.07 प्रतिशत बढ़े।

साई गिरिधर ने कहा कि वास्तविक तस्वीर देखने पर यह अक्टूबर इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा अक्टूबर रहा। वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर प्रदर्शन दर्ज किया। सितंबर की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि ही त्योहारी मांग का सही संकेतक है।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 23,21,419 यूनिट रही। यह सेगमेंट सबसे अधिक ग्रामीण और त्योहारी मांग पर निर्भर करता है। हालांकि सालाना आधार पर गिरावट दिखी, लेकिन मासिक आधार पर दोपहिया बिक्री 29.67 प्रतिशत बढ़ी। डीलरों के अनुसार, त्योहारी सीजन में ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही, हालांकि कुछ क्षेत्रों में कम बारिश और कमजोर खरीफ फसल के कारण ग्रामीण मांग पर दबाव देखा गया।

वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट ने भी मजबूत प्रदर्शन किया। अक्टूबर में इस श्रेणी की बिक्री 1,15,140 यूनिट रही, जो सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत और सितंबर की तुलना में 11.19 प्रतिशत अधिक है। भारी वाणिज्यिक वाहनों (एचसीवी) की बिक्री 28.95 प्रतिशत और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों (एमसीवी) की बिक्री 21.16 प्रतिशत बढ़ी, जबकि हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) में 9.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यात्री वाहन श्रेणी में 5,07,768 यूनिट की खुदरा बिक्री हुई। यह अक्टूबर 2025 के असाधारण स्तर से 14.23 प्रतिशत कम रही, लेकिन सितंबर के मुकाबले 18.86 प्रतिशत अधिक रही। यह अब तक का तीसरा सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर प्रदर्शन है। स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और नए मॉडलों की लॉन्चिंग ने मांग को मजबूत बनाए रखा, जबकि एंट्री-लेवल कारों की मांग अपेक्षाकृत कमजोर रही।

फाडा ने यात्री वाहन इन्वेंटरी को लेकर चिंता भी जताई। रिकॉर्ड थोक आपूर्ति के बावजूद डीलरशिप स्तर पर स्टॉक लगभग 43-45 दिनों के बराबर बना हुआ है। संगठन को उम्मीद है कि धनतेरस और दीपावली की बिक्री के बाद वर्ष के अंत तक यह घटकर लगभग 30 दिनों के स्तर पर आ जाएगा।

दिवाली के दिन 7 जीवों का दिखना माता लक्ष्मी की कृपा का प्रतीक, इनको देखने के बाद सुधर सकता है जीवन



दीपावली का पावन त्योहार 8 नवंबर 2026 को मनाया जाएगा। इस दिन को धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी के साथ ही गणेश भगवान की भी पूजा की जाती है। शकुन शास्त्र में भी इस दिन को बेहद शुभ मान जाता है और इस दिन कुछ जीवों का दिखना माता लक्ष्मी का प्रतीक भी होता है। आज हम आपको इन्हीं जीवों के बारे में आपको जानकारी देंगे।

दिवाली के दिन उल्लू का दिखाई देना

उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। ऐसे में दिवाली के शुभ दिन पर अगर आपको उल्लू दिखाई दे तो इसे बेहद शुभ संकेत माना जाता है। उल्लू का दिखना शकुन शास्त्र में भी सौभाग्यदायक बताया गया है। उल्लू के दिखने का अर्थ होता है कि आपके जीवन में समृद्धि आ सकती है और माता लक्ष्मी की कृपा से आपकी सभी आर्थिक परेशानियों का अंत हो सकता है। दिवाली की रात में उल्लू का दिखना दिन में दिखने की बजाय ज्यादा शुभ माना जाता है।

छछूंदर का दिखना

शकुन शास्त्र के अनुसार दिवाली के दिन छछूंदर का अचानक दिखाई देना भी शुभ संकेत होता है। छछूंदर को देखने का अर्थ यह लाया जाता है कि धन से जुड़ी समस्याओं से आपको मुक्ति मिल सकती है और आप प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं।

दिवाली के दिन छिपकली

दीपावली के शुभ दिन पर छिपकली का दिखाई देना भी शुभता का संकेत है। खासकर अगर आपको लक्ष्मी पूजा करते समय दिवार पर कहीं छिपकली दिखाई दे तो समझ जाइए आपकी पूजा सफल हुई है और माता लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं। दिवाली के दिन छिपकली देखने पर पूरे साल भर आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

बिल्ली

शकुन शास्त्र के अनुसार दीपावली के शुभ दिन पर बिल्ली का दिखाई देना या बिल्ली का घर आना भी शुभ संकेत होता है। हालांकि बिल्ली के रोने को इस दिन अच्छा नहीं माना जाता।

गाय का दिखाई देना

दीपावली के दिन आपको गाय दिखाई दे तो इसे भी शुभ संकेत मानना चाहिए। गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास बताया गया है। ऐसे में अगर आपको दिवाली के दिन गाय दिखाई देती है तो देवी-देवताओं का आशीर्वाद आपको प्राप्त होता है और जीवन में अच्छे बदलाव आ सकते हैं।

काली चींटियों के झुंड का दिखाई देना

दिवाली के शुभ दिन पर अगर आपको काली चीटिंयों का झुंड दिखाई देता है तो इसे भी शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके संचित धन में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक समस्याओं से आपको मुक्ति मिल सकती है।

तोता दिखाई देना

दिवाली के शुभ अवसर पर तोता अगर आपको दिखाई देता है तो इसे भी शुभ संकेत माना जाता है। तोते का दिखाई देना धन वृद्धि का संकेत होता है।

दिवाली की रात उल्लू दिखना क्यों माना जाता है शुभ?



सनातन धर्म की मान्यताओं में उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना गया है। दिवाली की रात इसका दिखना कुछ लोग सुख-समृद्धि का संकेत मानते हैं। जानिए उल्लू से जुड़ी धार्मिक मान्यता और इसे देखने पर क्या करना चाहिए। दिवाली की रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। सनातन मान्यताओं में उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना गया है। यही वजह है कि दिवाली की रात उल्लू दिखाई देने को कुछ लोग शुभ संकेत से जोड़ते हैं। मान्यता है कि इसका दिखना घर में सुख-समृद्धि और धन आगमन का प्रतीक हो सकता है। आइए जानते हैं कि मां लक्ष्मी ने उल्लू को अपना वाहन क्यों चुना और दिवाली की रात यह दिखाई दे तो क्या करना चाहिए।

दिवाली पर उल्लू का धार्मिक महत्व

दिवाली का त्योहार 8 नवंबर 2026, रविवार को मनाया जाएगा। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। सनातन धर्म मान्यताओं के अनुसार, उल्लू मां लक्ष्मी का वाहन है, इसलिए दिवाली के अवसर पर इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं को भी खास महत्व दिया जाता है।

मां लक्ष्मी ने उल्लू को ही क्यों चुना वाहन?

उल्लू को बुद्धिमत्ता और सतर्कता का प्रतीक माना जाता है। वह अंधेरे में भी देख सकता है और अपने आसपास की परिस्थितियों के प्रति सजग रहता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां लक्ष्मी का उल्लू पर विराजमान होना भी एक संदेश देता है। इसका अर्थ है कि धन-संपत्ति मिलने पर व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए और न ही लालच में अपनी समझ खोनी चाहिए। धन कमाने के साथ उसका सही इस्तेमाल करना भी जरूरी है। इस तरह उल्लू को विवेक और सतर्कता से जोड़कर देखा जाता है।

दिवाली की रात उल्लू दिखे तो क्या करें?

धार्मिक मान्यताओं में दिवाली की रात उल्लू दिखाई देने को शुभ संकेत माना जाता है। मां लक्ष्मी का वाहन होने के कारण इसके दिखने को कुछ लोग घर में सुख-समृद्धि और धन आगमन से जोड़ते हैं। हालांकि, यह धार्मिक आस्था पर आधारित मान्यता है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। अगर दिवाली के दिन या रात आपको उल्लू दिखाई दे, तो घबराएं नहीं। उसे भगाने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें। उसके सामने हाथ जोड़कर मन ही मन मां लक्ष्मी का स्मरण कर सकते हैं। इसके बाद मां लक्ष्मी के सामने दीपक जलाकर घर में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करें।

दिवाली के दिन अभ्यंग स्नान कब किया जाएगा? जानें सही समय, विधि और महत्व

दीपोत्सव के पांच दिवसीय पर्व के दौरान अभ्यंग स्नान का भी बड़ा महत्व है। अभ्यंग स्नान हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। इसी दिन नरक चतुर्दशी, छोटी दिवाली और रूप चौदस मनाने का भी विधान है। अभ्यंग स्नान को आरोग्यदायक माना गया है। साल 2026 में अभ्यंग स्नान कब किया जाएगा, स्नान का शुभ मुहूर्त क्या है और किस विधि से स्नान करना है आइए विस्तार से जानते हैं।

अभ्यंग स्नान कब किया जाएगा?

अभ्यंग स्नान कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को सूर्योदय के समय किया जाता है। साल 2026 में चतुर्दशी तिथि 7 नवंबर की सुबह 10 बजकर 47 मिनट से शुरू होगी और 8 नवंबर की सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि में चतुर्दशी तिथि 8 नवंबर को है इसलिए अभ्यंग स्नान 8 नवंबर को ही किया जाएगा और इसी दिन दिवाली का त्योहार भी मनाया जाएगा।

अभ्यंग स्नान शुभ मुहूर्त- सुबह 5 बजकर 41 मिनट से 6 बजकर 38 मिनट तक।

अभ्यंग स्नान विधि

अभ्यंग स्नान के लिए आपको ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाना चाहिए। स्नान करने से पहले शरीर पर तिल के तेल की मालिश आपको करनी चाहिए। माना जाता है कि तेल की मालिश करने से वात दोष दूर होता है और त्वचा से जुड़े रोगों से मुक्ति मिलती है। तेल लगाने के बाद बेसन, हल्दी, चंदन और पारंपरिक उबटन भी आप शरीर पर लगा सकते हैं। इसके बाद आपको नहाने के पानी में अपमार्ग या तुलसी के पत्ते डालने चाहिए और फिर स्नान करना चाहिए। आप घर में भी स्नान कर सकते हैं या किसी पवित्र नदी में भी डुबकी लगा सकते हैं। स्नान करने के बाद आपको भगवान कृष्ण और हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए।

अभ्यंग स्नान का महत्व और लाभ

माना जाता है कि भगवान कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध करने के बाद अपने शरीर से रक्त और गंदगी को दूर करने के लिए नरक चतुर्दशी के दिन तेल उबटन से स्नान किया था। तब से ही नरक चतुर्दशी की सुबह अभ्यंग स्नान करने की परंपरा शुरू हुई।

दिवाली की रात क्यों जलते रहना चाहिए दीपक? जानिए अखंड ज्योति का महत्व और मां लक्ष्मी के आगमन की मान्यता

दीपावली पर घरों को दीयों की रोशनी से सजाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के साथ घर के मुख्य द्वार और पूजा स्थल पर दीपक जलाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि दीपक प्रकाश, ज्ञान और शुभता का प्रतीक है। यही वजह है कि कई परिवारों में दीपावली की रात पूजा का दीपक बुझने नहीं देने की परंपरा निभाई जाती है। आइए जानते हैं कि इस मान्यता के पीछे क्या धार्मिक महत्व है।

दीपक बुझना क्यों माना जाता है अशुभ?

सनातन धर्म में दीपक को ज्ञान, ऊर्जा और शुभता का प्रतीक माना जाता है। दीपावली पर घर के अलग-अलग हिस्सों में दीपक जलाने का उद्देश्य अंधकार दूर करना और खुशियों का स्वागत करना है।

इसी धार्मिक भावना के चलते कई परिवारों में मुख्य पूजा के दीपक को रातभर जलाए रखने की परंपरा है। मान्यता है कि जलता हुआ दीपक घर में सकारात्मकता और मंगल का प्रतीक होता है।

मां लक्ष्मी से क्या है संबंध?

दीपावली की रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भक्त घर के मुख्य द्वार, पूजा स्थल और अन्य स्थानों पर दीपक जलाकर देवी का स्वागत करते हैं। दीपों से जगमगाता घर



खुशहाली और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण दीपावली पर दीपक जलाने की परंपरा को विशेष महत्व है।

अखंड दीपक की परंपरा

दीपावली की पूजा के दौरान कई घरों में अखंड दीपक जलाया जाता है। इसे निरंतर आस्था, भक्ति और शुभता का प्रतीक माना जाता है। कुछ परिवारों में यह दीपक पूरी रात जलाया जाता है, जबकि कुछ जगहों पर इसे पूजा के निर्धारित समय तक जलाने की परंपरा है। इसके लिए घी या तिल के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

दीपक से मिलता है संदेश

दीपक की लौ अंधकार के बीच आशा और ज्ञान का संदेश देती है। अगर पूजा का दीपक जलाकर रखें, तो उसे सुरक्षित स्थान पर रखें और ज्वलनशील वस्तुओं, पर्दों तथा बच्चों की पहुंच से दूर रखें। सुरक्षा के साथ निभाई गई यह परंपरा दीपावली की रोशनी और आस्था को और खास बनाती है।

दिवाली क्यों मनाई जाती है, क्या है इस पर्व की शुरुआत की कहानी? जानें दीपावली से जुड़ी ये पौराणिक कथाएं



दीपावली हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाए जाने वाले इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक माना जाता है।

इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दिवाली क्यों मनाई जाती है और इस पर्व को मनाने के पीछे कौन-कौन सी पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं? आइए जानते हैं इस पर्व से जुड़ी तीन प्रमुख धार्मिक मान्यताओं के बारे में।

1. भगवान राम की अयोध्या वापसी

दिवाली मनाने की सबसे प्रचलित मान्यताओं में भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी की कथा शामिल है। रामायण के अनुसार, भगवान राम ने 14 वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद लंकापति रावण का वध किया और माता सीता व भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे। उनके आगमन की खुशी में अयोध्यावासियों ने पूरे नगर को दीपों से सजाया था। मान्यता है कि इसी खुशी को याद करते हुए हर साल दीपावली मनाई जाती है। यह कथा बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश देती है।

2. पांडवों की वापसी से जुड़ी कथा

दिवाली को लेकर एक अन्य पौराणिक मान्यता महाभारत काल के पांडवों से भी जुड़ी है। मान्यता के अनुसार, 13 वर्ष के वनवास और अज्ञातवास की अवधि पूरी करने के बाद पांडवों की वापसी की खुशी में दीप जलाए गए थे। इस कथा को भी दीपावली मनाने के कारणों में गिना जाता है।

3. समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी का प्राकट्य

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। उन्हें धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना जाता है। यही वजह है कि दीपावली की रात मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। भक्त अपने घरों को साफ करके दीपक जलाते हैं और देवी से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

प्रकाश और खुशहाली का पर्व

इन पौराणिक कथाओं के अलावा दिवाली का संदेश जीवन से अंधकार दूर करके सकारात्मकता और खुशहाली लाने से भी जुड़ा है। घरों में दीपक जलाना, रंगोली बनाना और पूजा करना इस पर्व की प्रमुख परंपराएं हैं।

आम, अशोक के पत्ते या कौड़ी कैसा तोरण लगाना चाहिए?



दीपावली और दूसरे शुभ अवसरों पर घर के मुख्य द्वार को सजाने के लिए बंधनवार या तोरण लगाने की परंपरा है। वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को खास महत्व दिया गया है, क्योंकि इसे घर में ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना जाता है। आम और अशोक के पत्तों से लेकर कौड़ी वाले बंधनवार तक, अलग-अलग तरह के तोरण शुभता और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। आइए जानते हैं मुख्य द्वार के लिए कैसा बंधनवार चुनना चाहिए।

आम के पत्तों का तोरण

सनातन धर्म में आम के पत्तों को शुभ माना जाता है। पूजा-पाठ, विवाह और त्योहारों के दौरान आम के पत्तों का बंधनवार लगाने की परंपरा है। मान्यता है कि मुख्य द्वार पर ताजे आम के पत्तों का तोरण लगाने से घर का वातावरण मंगलमय बना रहता है। दीपावली पर भी इसे दरवाजे की सजावट के लिए चुन सकते हैं।

अशोक के पत्तों का बंधनवार

मुख्य द्वार को सजाने के लिए अशोक के पत्तों का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन्हें शुभता और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में त्योहारों या किसी मांगलिक अवसर पर अशोक के पत्तों से बना बंधनवार लगाया जा सकता है। इसे लगाते समय ध्यान रखें कि पत्ते ताजे हों और तोरण दरवाजे पर अच्छी तरह बंधा हो।

कौड़ी और सीप वाला तोरण

अगर आप ऐसा बंधनवार चाहते हैं जिसे बार-बार इस्तेमाल किया जा सके, तो कौड़ी, सीप या मोतियों से बना तोरण एक विकल्प हो सकता है। कौड़ी को मां लक्ष्मी और धन-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। इस तरह के सजावटी बंधनवार त्योहारों पर घर के मुख्य द्वार को आकर्षक रूप देने के साथ पारंपरिक सजावट का हिस्सा भी बन सकते हैं।

टूटा या गंदा न रखें तोरण

वास्तु संबंधी मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार पर साफ और अच्छी स्थिति वाला बंधनवार लगाना चाहिए। अगर तोरण टूट गया हो, उस पर धूल जम गई हो या वह खराब दिखने लगा हो, तो उसे साफ करें या बदल दें। प्राकृतिक पत्तों से बना बंधनवार कुछ समय बाद सूखने या मुरझाने लगता है। ऐसे में उसे समय पर बदल देना चाहिए। ताजे पत्तों का इस्तेमाल करने से सजावट भी अच्छी दिखती है।

कोचिंग सेंटरों के लिए नया कानून लाएगी सरकार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी। विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है। नियमों के उल्लंघन पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं। विधेयक का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक नागरिक अपने सुझाव che-higheredu.cg@gov.in पर भेज सकेंगे।

मां-बेटे की संदिग्ध मौत से सनसनी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में एक किराये के मकान से मां और बेटे के शव मिलने का मामला सामने आया है। छोटा अशोक नगर स्थित मकान में 52 वर्षीय जय जी देशमुख और उनके 25 वर्षीय बेटे हंसमुख के शव मिले हैं। दोनों पिछले करीब चार साल से यहां किराये पर रह रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मां-बेटे पिछले तीन से चार दिनों से आसपास के लोगों को दिखाई नहीं दिए थे। कमरे से बदबू आने पर मामले का खुलासा हुआ। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटे के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने और अंदर से बदबू आने की सूचना मिलने पर गुढ़ियारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो कमरे में दोनों के शव मिले।

फर्श पर मिला मां का शव, बिस्तर पर पड़ा था बेटा-पुलिस को कमरे के अंदर महिला का शव फर्श पर मिला, जबकि बेटे का शव बिस्तर पर पड़ा था। दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है।

महिला करती थी ऑनलाइन टीचिंग, बेटा था बीमार-मिली जानकारी के अनुसार, जय जी देशमुख ऑनलाइन टीचिंग का काम करती थीं। वहीं, उनका बेटा हंसमुख लंबे समय से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। दोनों के पिछले कुछ दिनों से बाहर नहीं दिखने के बाद भी किसी को उनकी स्थिति की जानकारी नहीं थी।

FSL टीम ने जुटाए साक्ष्य-घटना की सूचना के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने कमरे की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। गुढ़ियारी थाना पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मां-बेटे की मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

धनतेरस पर धनवर्षा : छत्तीसगढ़ में 8-10 हजार करोड़ का कारोबार

रायपुर. भारत के सबसे बड़े त्यौहार दिपावली को लेकर इन दिनों बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है. धनतेरस के मौके पर सराफा से लेकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में



मार्केट बूम रहा. छत्तीसगढ़ में लगभग 8 से 10 हजार करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार हुआ है. वहीं राजधानी रायपुर में इस बार 1000 करोड़ के आसपास व्यापार होने का अनुमान है. शनिवार और रविवार को इस आंकड़े में इजाफा होने के भरपूर संभावनाए बन रहे हैं. प्रदेशभर के प्रमुख बाजारों में धनतेरस के दिन सुबह से लोगों की भीड़ पहुंची. कई जगहों पर भीड़ इतनी थी कि पैर रखने की जगह तक नहीं थी. सोने-चांदी के आभूषण, कपड़े, मिठाइयां, फोर व्हीलर, टू व्हीलर की जमकर खरीदारी हुई.CCCI के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि 2026 में दीपवाली को लेकर बाजारों में अच्छा कारोबार हुआ है. कई दफ्तरों में कर्मचारियों में शुक्रवार को बोनस दिया गया है. इससे अनुमान है कि शनिवार और रविवार को खरीदारी के लिए लोग बाजार पहुंचेंगे, जिससे सिर्फ रायपुर में 1000 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का दिव्या पुरी को स्नेहभरा पत्र, छात्रा ने बताया गर्व का क्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रा दिव्या पुरी को पत्र लिखकर उन्हें राज्य स्थापना दिवस की उनको और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का यह स्नेहभरा पत्र मिलने पर दिव्या पुरी ने इसे अपने जीवन का गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में दिव्या को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पढ़ाई में मन लगाने, अपनी पसंद की राह चुनने और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने दिव्या के पिता द्वारा शिक्षा में सहयोग किए जाने और श्रम विभाग की नोनी सशक्तिकरण योजना से प्राप्त राशि का उपयोग पढ़ाई में होने पर प्रसन्नता जाहिर की।



मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प के अनुरूप बेटियों की शिक्षा को विशेष महत्व दिया जा रहा है। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बेटियों की शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता की अहम भूमिका है। उन्होंने दिव्या को जीवन में खूब सीखने, अपनी रुचियों को पहचानने और मेहनत के बल पर अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। साथ ही उनके माता-पिता को भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत स्नेह और प्रोत्साहन भरा पत्र पाकर दिव्या पुरी अभिभूत हैं। उन्होंने इसे अपने लिए बेहद सम्मान और गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से धन्यवाद किया।

नक्सलमुक्त बस्तर में पहली बार कई गांवों में मनेगी दिवाली

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नक्सलमुक्त होने के बाद बस्तर के कई गांवों में पहली बार दिवाली मनेगी। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, नक्सलमुक्त होने के बाद बस्तर में बहुत सारे परिवर्तन आए हैं। ग्रामीणों में उत्साह और उत्सव का माहौल है। अब वहां ऐसी स्थिति नहीं है कि शिक्षा दूतों का गला काट दिया जाएगा या जन अदालत लगाकर उनकी हत्या कर दी जाएगी। नक्सलमुक्त बस्तर में सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं होने के दीपक बैज के बयान पर विजय शर्मा ने कहा, दीपक बैज अपने कार्यकाल का हिसाब निकालें, नक्सलियों के संदर्भ में उनकी सरकारों ने क्या किया, यह उन्हें देखना चाहिए। झीरम कांड करने वाले उनके रोल मॉडल रहे हैं। पहले उन्हें इस बात को समझना चाहिए। जब समझ जाएंगे तब मुझसे बात करें। SIR पर कांग्रेस के विरोध को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, नरेंद्र मोदी तीन बार प्रधानमंत्री बन चुके हैं। SIR की प्रक्रिया 2025 में शुरू हुई। आखिर कांग्रेस क्या कहना चाहती है? इसमें वोट चोरी जैसा कोई मामला नहीं है। भाजपा इसलिए जवाब दे रही है, क्योंकि कांग्रेस प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग रही है। जनता के मन में किसी तरह का भ्रम न रहे, इसलिए भाजपा आंकड़ों के साथ सामने आई है, ताकि हर बात स्पष्ट हो सके। मृतकों और जो कहीं शिफ्ट हो गए उनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इस मामले में झूठ बोल रही है, घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में होने की भी आशंका है। झूठ के सहारे देश नहीं चलाया जा सकता। मैं एक-एक बिंदु पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं। राहुल गांधी की पीएम मोदी को डिबेट की चुनौती पर विजय शर्मा ने कहा, मोदी जी से राहुल गांधी क्या बात करना चाहते हैं, इसके लिए संसद है। जब भी सदन में चर्चा होती है, वे भाग जाते हैं। विधानसभा में नक्सलवाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है तो भी भाग जाते हैं। लोकतंत्र में सड़क पर ही लड़ना है तो यह ठीक नहीं है। रिजीम चेंज सड़कों से नहीं, बल्कि चुनाव से होता है।



बीजेपी के पोस्टर पर विजय शर्मा ने कहा, राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन से फंडिंग क्यों आती है? वे चीन जाकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से क्यों मिलते हैं? दूसरे देशों में जाकर देश को बदनाम करने का काम नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी के SIR पर एटम बम फोड़ने वाले बयान पर शर्मा ने कहा, राहुल गांधी से किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। वे SIR पर एटम बम फोड़ने की बात कर रहे थे। अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी है तो उसे ठीक करने के लिए ही SIR की प्रक्रिया है। इससे पहले भी 10 बार SIR हो चुका है, तब किसी ने कुछ नहीं कहा। जनता के बीच भ्रम फैलाना ठीक नहीं है, मैं राहुल गांधी को पकड़कर समझाना चाहता हूं कि यह संवैधानिक प्रक्रिया है। मतदान केंद्रों पर BLO से बात की गई है सभी नाम स्पष्ट हैं। अगर कहीं गलती हुई है तो क्या 20 लाख लोगों ने एक साथ गलती की है? क्या सभी लोग किसी राजनीतिक मानसिकता से काम कर रहे थे? नाम जुड़वाने की प्रक्रिया कभी भी की जा सकती है। नितिन नबीन के दौरे को लेकर कांग्रेस की टिप्पणी पर विजय शर्मा ने कहा, प्रियंका गांधी आई थीं, उनके स्वागत में गुलाब की पंखुड़ियां बिछाई गई थी। उसका गुलकंद बना लिया, अब कुछ भी शिगूफा छोड़ देंगे। उन्हें गंभीरता से राजनीति करनी चाहिए। अपनी पार्टी के लिए जो अच्छा हो सकता है, वह करें।

न्यूज़ पोर्टल संचालक दीपक टंडन गिरफ्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बिलासपुर पुलिस ने एआई से तस्वीरें बदलकर आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के मामले में एक न्यूज पोर्टल संचालक को गिरफ्तार किया है. संचालक दीपक टंडन को सिरगिट्टी पुलिस ने रायपुर से किया गिरफ्तार किया है. दीपक टंडन पर AI के माध्यम से फर्जी तस्वीर लगाकर व्यक्ति और संस्थाओं की छवि धूमिल कर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप है. एआई तकनीक से तस्वीरों में बदलाव कर आपत्तिजनक एवं भ्रामक खबरें प्रकाशित करने के मामले में थाना सिरगिट्टी पुलिस ने 'द हनी बैजर न्यूज़' पोर्टल के संचालक दीपक टंडन उर्फ अंबेडकर टंडन, उम्र 46 वर्ष, को रायपुर स्थित रजत प्राइम अपार्टमेंट, थाना न्यू राजेंद्र नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है.



दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को महाराणा प्रताप नगर, तिफरा निवासी मणिशंकर पांडेय ने थाना सिरगिट्टी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी तस्वीर को एआई तकनीक से परिवर्तित कर न्यूज़ पोर्टल एवं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक और अपमानजनक शीर्षकों के साथ खबरें प्रकाशित की गईं. शिकायत में आरोप लगाया गया कि ऐसा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और उन्हें ब्लैकमेल करने के उद्देश्य से किया गया. प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा थाना प्रभारी सिरगिट्टी को अपराध पंजीबद्ध कर शीघ्र वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे.विवेचना में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दीपक टंडन की संलिप्तता पाए जाने पर उसे रायपुर से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के सामने पेश किया है.गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पहले भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं. प्रकरण में आरोपी के मोबाइल में हनी बैजर पोर्टल से संबंधित एवं अन्य कई आपत्तिजनक फोटो वीडियो और ऑडियो क्लिप प्राप्त होने पर आरोपी के दोनों मोबाइल भी जब्त किए गए हैं. ब्लैकमेलिंग एवं उगाही संबंधी आरोपों, डिजिटल सामग्री समेत अन्य नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है. विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

महावीर निर्वाण दिवस पर रायपुर में मांस-मटन की बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

रायपुर। महावीर निर्वाण दिवस के अवसर पर 8 नवंबर 2026, रविवार को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के तहत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसके चलते शहर के सभी पशुवध गृह और मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी।प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने के लिए नगर निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में दुकानों का निरीक्षण करेंगे। वहीं महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर होटलों में भी मांस-मटन की बिक्री पर रोक लागू रहेगी।

दीपावली पर मेकाहारा अलर्ट ! 24 घंटे चालू रहेंगी इमरजेंसी सेवाएं

रायपुर ■ दैनन्दिनी

दीपावली के त्योहार के दौरान पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं, आगजनी और अन्य आकस्मिक घटनाओं को देखते हुए राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में अलर्ट जारी किया गया है। त्योहार के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने और मरीजों को तत्काल बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने सभी विभागों को सतर्क रहने और आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि जरूरी दवाइयों, इंजेक्शन और जीवनरक्षक चिकित्सा सामग्रियों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रखा जाए। इसके साथ ही इमरजेंसी में आने वाले



मरीजों को बिना देरी उपचार मिल सके, इसके लिए डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल स्टाफ को तैयार रहने कहा गया है। त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना या गंभीर दुर्घटना की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। दीपावली और गोवर्धन पूजा के अवकाश के चलते मेकाहारा अस्पताल की नियमित ओपीडी सेवाएं दो दिनों तक बंद रहेंगी। 8 नवंबर को रविवार और 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा का अवकाश होने के कारण मरीजों को इन दोनों दिनों में सामान्य ओपीडी में उपचार की सुविधा नहीं मिलेगी। हालांकि, अस्पताल की आपातकालीन सेवाएं पूर्ववत 24 घंटे संचालित रहेंगी। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को आवश्यकतानुसार तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, 7 नवंबर को छोटी दीपावली यानी नरक चतुर्दशी के दिन ओपीडी का संचालन सामान्य रूप से किया जाएगा। इसके बाद 8 और 9 नवंबर को ओपीडी बंद रहेगी। वहीं, 10 नवंबर मंगलवार से अस्पताल की नियमित ओपीडी सेवाएं फिर से शुरू हो जाएंगी। अस्पताल प्रबंधन ने त्योहार के दौरान मरीजों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि ओपीडी बंद रहने के बावजूद आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी।

छत पर सोलर, हाथ में मुख्यमंत्री की पाती

रायपुर.घर की छत पर लगा सोलर प्लांट अब श्री रोहित गुप्ता के परिवार को बिजली की जरूरतें पूरी करने में मदद कर रहा है। बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 15 निवासी श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कराया है। उनके इस निर्णय की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सराहना की है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'विष्णु की पाती' के माध्यम से श्री गुप्ता और उनके परिवार को शुभकामनाएँ भेजीं। पत्र में उन्होंने लिखा कि परिवार की जरूरतों और खर्चों को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला जब राहत देने लगे, तो उसका संतोष खास होता है। बिजली खर्च में बचत से परिवार की अन्य जरूरतों के लिए भी गुंजाइश बनती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुई सूर्य घर योजना घरों तक सौर ऊर्जा पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इससे परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।

महिला बंदियों के बच्चों के साथ ही बालिका गृह की बच्चियों संग डॉ.वर्णिका शर्मा ने बांटी दीपावली की खुशियां

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने खम्हारडीह स्थित बालिका गृह एवं महिला जेल में बंद महिला बंदियों के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व मनाया और उनके बीच खुशियों के पल साझा किए. धनतेरस के मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने बच्चों के बीच पहुंचकर न केवल दीपावली की खुशियां बांटीं. बल्कि उनके साथ आत्मीयता के कुछ ऐसे पल भी बिताए, जिन्होंने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और मन में अपनत्व का एहसास जगाया. उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, सपनों और भविष्य की आकांक्षाओं को जाना.बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की परिस्थितियां किसी के सपनों की सीमा तय नहीं कर सकतीं. हर बच्चे को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बचपन पाने का अधिकार है. किसी भी बच्चे का भविष्य उसकी पारिवारिक परिस्थितियों से नहीं बल्कि उसकी प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और उसे मिलने वाले अवसरों से तय होना चाहिए. उन्होंने बच्चों को विश्वास दिलाया कि वे अपने सपनों को संजोएं और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें.

इस दौरान महिला जेल में बंद महिला बंदियों से भी वर्णिका शर्मा ने बात की. उनके बच्चों की शिक्षा, परवरिश और बेहतर भविष्य को लेकर चर्चा की. उन्हें अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया. इस मौके पर यह संदेश भी दिया गया कि



किसी भी परिस्थिति में बच्चों का बचपन, उनकी भावनाएं और उनके अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए. बच्चों को अपने माता-पिता की परिस्थितियों का बोझ नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए. कार्यक्रम के दौरान खुशी नामक बच्ची ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया. उसके आत्मविश्वास और हुनर को देखकर अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने उसकी खूब सराहना की. उसे अपनी प्रतिभा को और निखारने एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया. इस छोटी-सी प्रस्तुति ने यह एहसास कराया कि हर बच्चे के भीतर संभावनाओं का एक संसार छिपा होता है. जिसे बस थोड़े से प्रोत्साहन, विश्वास और अवसर की आवश्यकता होती है. इस दीपावली की सबसे भावुक और आत्मीय झलक तब देखने को मिली. जब बालिका गृह की बच्चियों ने अपने नन्हे-नन्हे हाथों से तैयार किए सुंदर दीये एवं विभिन्न हस्तनिर्मित सामग्रियां अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा को भेंट कीं. उनके द्वारा स्नेह और मेहनत से बनाई गई इन कलाकृतियों को उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया. बच्चियों की रचनात्मकता, लगन एवं हुनर की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया. इन दीयों में केवल मिट्टी और रंगों की सुंदरता ही नहीं, बल्कि बच्चियों की मेहनत, कल्पनाशीलता और उनके मन से जुड़ी भावनाएं भी झलक रही थीं. डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि हर बच्चे के भीतर एक अनूठी प्रतिभा और अनगिनत सपने होते हैं. जरूरत है तो बस उन्हें समझने, उनका हाथ थामने और आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर देने की. बच्चों को स्नेह, सुरक्षा, सम्मान और प्रोत्साहन मिले, यही उनके बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव है.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com